www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, शनिवार
8 अगस्त 2026
वर्ष: 49
अंक: 98 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

हूती विद्रोहियों का यमन और सऊदी अरब पर तगड़ा हमला

● यमन के 58 सैनिकों की मौत, सऊदी में 11 घायल

रियाद (एजेंसी)। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने गुरुवार को सऊदी अरब और यमन में एक साथ बड़े हमले किए। पहला हमला यमन सरकार के मिलिट्री ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन से हुआ, जिसमें 58 सैनिकों की मौत हुई और दर्जनों घायल हो गए। यमन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सही समय और सही जगह पर जवाब दिया जाएगा। दूसरा हमला सऊदी के नजरान में हुआ, जिसमें 11

नागरिक घायल हुए। इनमें 7 सऊदी, एक यमनी, दो मिस्री, एक पाकिस्तानी नागरिक है। वहीं, एक 4 साल का एक बच्चा भी घायल हुआ है। हमलों के बाद नजरान के कई हिस्सों में आग लग गई।
अमेरिका-ईरान के बीच होर्मुज डील जल्द संभव
एक रिपोर्ट के मुताबिक, होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच समझौता जल्द हो सकता है। ईरान-ओमान के बीच मसौदा अंतिम चरण में है। ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान ने खुद बातचीत की पहल की है और दोनों देशों के बीच वार्ता में अच्छी प्रगति हुई है। उनके मुताबिक, समझौता ईरान के लिए सबसे बेहतर विकल्प होगा।

एक्सीडेंट में युवक की मौत,पटना में बवाल

● 10 गाड़ियां फूंकीं, ट्रैफिक पुलिस चौकी जलाई

पटना (एजेंसी)। पटना में सड़क हादसे में युवक की मौत के बाद हालात बेकाबू हो गए। घटना अगमकुआं थाना क्षेत्र के जीरो माइल के पास शुक्रवार सुबह की है, जहां तेज रफ्तार बस की चपेट में आने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। गुस्साए लोगों ने उस बस को आग लगा दी। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन भीड़ ने उसे रोक दिया। इसके बाद हालात और बिगड़ते चले गए। मौके पर पुलिस पहुंची, लेकिन तनाव और बढ़ गया। गुस्साई भीड़ ने 2 पुलिस गाड़ियों, बसों और बाइक समेत करीब 10

वाहनों में आग लगा दी। ट्रैफिक पुलिस पोस्ट जला दी। नेशनल हाईवे-30 पर जाम लगा दिया। पत्रकारों से मारपीट की। मौके पर 9 थानों की पुलिस तैनात की गई है। 26 साल का मनीष पटना में फ्लेक्स का काम करता था। वो अपने गांव से रोज पटना आता-जाता था। मनीष तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ा था। वो रोज की तरह आज सुबह 7 बजे भी काम पर निकला था। लोगों के हंगामे के कारण जीरो माइल चौक 3 घंटे करीब जाम रहा। जिसकी वजह से पटना-फतुहा मेन रोड, बख्तियारपुर जाने वाली सड़क और बिहटा जाने वाले रोड पर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। एक पुलिस चेक पोस्ट में उपद्रवियों ने आग लगा दी।

खाई में गिरा वाहन, दो बच्चों सहित पांच की मौत, एक घायल

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : शुक्रवार को पौड़ी देवप्रयाग मार्ग पर कुंडधार के निकट एक वाहन सड़क से नीचे लगभग ढाई सौ मीटर गहरी खाई में गिर गया। दुर्घटना में दो बच्चों सहित पांच लोगों की मौत हो गई है। जबकि दुर्घटना में एक बच्चा घायल हो गया। बच्चे का बेस अस्पताल श्रीनगर में उपचार चल रहा है। एसएसपी ने बताया कि शुक्रवार सुबह साढ़े 11 बजे थाना देवप्रयाग पर सूचना प्राप्त हुई कि पौड़ी देवप्रयाग मार्ग पर कुंडधार के निकट एक वाहन सड़क से नीचे खाई में गिर गया है। सूचना मिलते ही थाना देवप्रयाग पुलिस, एसडीआरएफ की टीम तत्काल मौके पर पहुंची तथा राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किया गया। मौके पर जांच करने पर ज्ञात हुआ कि वाहन संख्या यूके 08बीएल 0387 (बोलेरो) अनियंत्रित होकर लगभग

250 मीटर गहरी खाई में गिर गया था। वाहन में कुल 06 लोग सवार थे, जिसमें से 05 लोगों की मृत्यु हो गई है। एसएसपी ने बताया कि दुर्घटना में घायल अरमान (उम्र 14 वर्ष) पुत्र अफजल, निवासी रायपुर जीतपुर, थाना कोतवाली लक्सर, जनपद हरिद्वार का रेस्क्यू कर बेस अस्पताल श्रीनगर भेजा गया है। एसएसपी ने बताया कि दुर्घटना में रायपुर जीतपुर, लक्सर, जनपद हरिद्वार निवासी अफजल (उम्र 49 वर्ष) पुत्र अकबर सूफी, शब्बो (उम्र 40 वर्ष) पत्नी अफजल, अन्नाविया (उम्र 03 वर्ष) पुत्री अफजल, शादाब (उम्र 14 वर्ष) पुत्र अफजल, गुफरान (उम्र 34 वर्ष) पुत्र अकबर सूफी की मृत्यु हो गई है। पुलिस द्वारा मृतकों के शवों को खाई से निकालकर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक अफजाल द्वारा पौड़ी में ठेकेदारी का कार्य किया जा रहा था तथा वह अपने परिवार को घुमाने पौड़ी की ओर आ रहे थे और स्वयं गाड़ी चला रहे थे। घटनास्थल पर क्षेत्राधिकारी पौड़ी तपेश कुमार, प्रभारी निरीक्षक पौड़ी जयपाल नेगी, थानाध्यक्ष देवप्रयाग अमरजीत सिंह रावत सहि एसडीआरएफ टीम, राजस्व विभाग एवं परिवहन विभाग की टीमें मौजूद रही।

डीएमके ने बीजेपी के उम्मीदों को दे दिया तगड़ा झटका

उदयनिधि बोले, परिसीमन बिल का समर्थन कभी नहीं करेंगे

चेन्नई (एजेंसी)। डीएमके ने केंद्र की एनडीए सरकार के उम्मीदों को तगड़ा झटका दिया है। डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि उनकी पार्टी परिसीमन बिल का विरोध करेगी। तमिलनाडु में कांग्रेस के गठबंधन बदलने के बाद यह चर्चा थी कि अब डीएमके नरेंद्र मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी परिसीमन बिल का समर्थन कर सकती है। उदयनिधि स्टालिन ने स्पष्ट किया है कि डीएमके ने शुरू से ही परिसीमन का विरोध किया है और आगे भी करती रहेगी।

50 हजार करोड़ का

डिफेंस एक्सपोर्ट करेगा भारत

● ब्रह्मोस तो सिर्फ एक झांकी...अभी कई हथियार हैं बाकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्षों से भारत के रक्षा निर्यात की कहानी का मुख्य आकर्षण ब्रह्मोस रही है। यह सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल इस बात का प्रतीक बन गई है कि भारत दुनिया को क्या बनाकर बेच सकता है। लेकिन रक्षा निर्यात के अगले चरण में केवल किसी एक बड़े हथियार का दबदबा नहीं होगा, बल्कि अब नई पीढ़ी के ड्रोन, सटीक मारक क्षमता वाले हथियार, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोनोमस सिस्टम अपनी जगह बना रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में भारत का रक्षा निर्यात 62.66 प्रतिशत की भारी उछाल के साथ 38,424 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जो एक साल पहले 23,622 करोड़ रुपये था। देश अब 80 से अधिक देशों को निर्यात कर रहा।

युद्ध के बदलते स्वरूप से हथियारों का बाजार भी बदला

युद्ध का मैदान अब केवल लड़ाकू विमानों, टैंकों और महंगी मिसाइलों तक सीमित नहीं है। हाल के वर्षों में हुए युद्धों ने ड्रोन, लॉयटरिंग म्यूनिशन्स, सटीक मार करने वाले हथियारों, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और वायु-रक्षा प्रणालियों को सैन्य रणनीतियों के केंद्र में ला दिया है। दुनिया भर के देश अब ऐसे हथियारों की तलाश कर रहे हैं जो दूर तक मार कर सकें, सटीक हमला कर सकें, स्वतंत्र रूप से काम कर सकें और सबसे महत्वपूर्ण बात, जो पारंपरिक हथियारों की तुलना में सस्ते हों।

स्मार्ट होते हथियार का ब्रेन

इस कहानी का एक और पहलू है जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, वह हथियार के अंदर मौजूद तकनीक है। एक मिसाइल या तोप का गोला सुर्खियां तो बटोर सकता है, लेकिन उसका फ्यूज, गाइडेंस सिस्टम, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक्स ही यह तय करते हैं कि वह हथियार कितना सटीक और प्रभावी ढंग से काम करेगा। यहीं पर एम्यूनिक सिस्टम्स जैसी कंपनियों को बड़ा अवसर दिखाई देता है। कंपनी की सीईओ प्रियंका सिंघल का तर्क है कि भारत की रक्षा निर्यात कहानी को केवल तैयार हथियारों के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए।

भारत के रक्षा निर्यात का लक्ष्य

भारत ने 2029-30 तक 50,000 करोड़ रुपये के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है। रक्षा सचिव ने हाल ही में कहा था कि यह लक्ष्य आसानी से हासिल किया जा सकता है। लेकिन वहां तक पहुंचने के लिए मिसाइल, रॉकेट, बंदूकें, ड्रोन, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेंसर और उनके कलपुर्जे बनाने वाली भारतीय कंपनियों के एक व्यापक इकोसिस्टम की आवश्यकता होगी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, निर्यात में अकेले निजी कंपनियों का हिस्सा 17,353 करोड़ रुपये रहा, जबकि रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों का योगदान 21,071 करोड़ रुपये था। अर्मेनिया ने भारत से पिनाका रॉकेट लॉन्चर और आर्टिलरी सिस्टम खरीदे हैं। फिलीपींस ने ब्रह्मोस सिस्टम खरीदा है। इसके अलावा, भारत आकाश एयर-डिफेंस सिस्टम, डोर्नियर विमान, हेलीकॉप्टर, फास्ट इंटरसेप्टर बोट और टारपीडो का भी निर्यात कर रहा है, जो भारत के बढ़ते रक्षा निर्यात बास्केट की विविधता को दर्शाता है।

संसद में विपक्ष का प्रदर्शन

दोनों सदन स्थगित

● लोकसभा से एमएसएमई संशोधन बिल हुआ पास
● कांग्रेस का सभी सांसदों को सदन में रहने का निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्षी सांसदों ने शुक्रवार को भी संसद परिसर में तेज बारिश के बीच राम मंदिर चढ़ावा चोरी और जंतर-मंतर प्रदर्शन में छात्रों पर लाठीचार्ज को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। वहीं, विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) एमएसएमई विधेयक 2026 ध्वनिमत से पास हुआ। दोनों सदन सोमवार तक के लिए स्थगित कर दिए गए हैं। राज्यसभा में विपक्षी सांसदों ने 'अमित शाह सदन में आओ' के नारे लगाए। इस पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि शाह सुबह से रात तक संसद में ही रहते हैं। उन्होंने लोकसभा में कहा कि अमित शाह का नाम सुनते ही आतंकी कांप उठते हैं।

● मोदी ने टीएमसी-उद्धव गुट के बागी सांसदों से मुलाकात की- संसद के मानसून सत्र में जारी हंगामे के बीच पीएम मोदी ने एनडीए के नए लोकसभा सांसदों के साथ शुक्रवार को ब्रेकफास्ट मीटिंग की। यह बैठक पीएम आवास में हुई।

इसमें करीब 45 सांसद शामिल हुए। जिनमें टीएमसी और उद्धव गुट के बागी सांसद भी थे। ममता की पार्टी टीएमसी का साथ छोड़कर 20 बागी सांसद नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल हो गए थे। वहीं शिवसेना (उद्धव गुट) के 6 सासंद भी शिंदे गुट के साथ आ चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम ने सांसदों को संबोधित करते हुए कहा कि एनडीए एक परिवार है। हम सहयोगी दलों के साथ हैं। हर व्यक्ति का सम्मान किया जाएगा। मैं एनडीए के हर सांसद के साथ खड़ा हूं।

● 65 साल में पहली बार अप्रवासियों की संख्या हुई कम

ट्रम्प की सख्ती से भारतीय छात्रों का अमेरिका जाना हुआ कम

● पाकिस्तान-बांग्लादेश के छात्रों को ज्यादा वीजा दे रहा यूएसए

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में पढ़ाई का सपना देखने वाले भारतीय छात्रों के लिए अब राह पहले जैसी आसान नहीं रही। ट्रम्प सरकार की सख्त इमिग्रेशन पॉलिसी के बीच 2025 में भारतीय छात्रों को मिलने वाले स्टूडेंट वीजा में बड़ी गिरावट आई है। इसके उलट पाकिस्तान, बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देशों के छात्रों को पहले के मुकाबले ज्यादा वीजा मिले हैं। सख्ती का असर सिर्फ स्टूडेंट वीजा तक सीमित नहीं है।

वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, जनवरी 2025 में अमेरिका में अप्रवासियों की संख्या रिकॉर्ड 5.33 करोड़ थी, जो जून तक घटकर 5.19 करोड़ रह गई।

● भारतीय छात्रों के लिए अमेरिका पहुंचना मुश्किल हुआ- सेंटर फॉर इमिग्रेशन स्टडीज के मुताबिक, मई से अगस्त के बीच एडमिशन का पीक सीजन होता है। इसी दौरान 2025 में भारतीय छात्रों को मिलने वाले स्टूडेंट वीजा पिछले साल के मुकाबले 62 फीसदी घट गए। चीनी छात्रों पर भी असर पड़ा और उन्हें 34 फीसदी कम वीजा मिले। हालांकि, तस्वीर सभी देशों के लिए एक जैसी नहीं रही। 2025 की पहली छमाही में बुरा हाल रहा।

बदरीनाथ चढ़ावा चोरी मामला: पुलिस ने तीसरे आरोपी को हिरासत में लिया

चमोली। बदरीनाथ धाम के चर्चित चढ़ावा चोरी मामले में पुलिस ने तीसरे आरोपी को हिरासत में लिया है। आरोपी हिमाचल का रहने वाला है। दो जुलाई की गणना की सीसीटीवी फुटेज में उसकी संदिग्धता भी देखी गई थी।

आरोपी एक परियोजना की कंपनी में तैनात है। वह कंपनी के अधिकारियों व उनके रिश्तेदारों को भगवान बदरीनाथ के दर्शन कराने की जिम्मेदारी संभालता था और चढ़ावा गणना के दौरान अक्सर गणना कक्ष में मौजूद रहता था। दो जुलाई की गणना की सीसीटीवी फुटेज में उसकी भी संदिग्धता देखी गई थी। पुलिस उस पर नजर रख रही थी।

शुक्रवार अपराह्न करीब ढाई बजे पुलिस ने लामबगड़ स्थित उसके आवास से उसे हिरासत में लेकर बदरीनाथ थाने पहुंचाया, जहां गहन पूछताछ की गई। सूत्रों के अनुसार उसके आवास से मंदिर से चोरी की गई कुछ वस्तुएं बरामद हुई हैं, हालांकि पुलिस ने बरामदगी की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। जांच टीम मंदिर समिति से जुड़े कई अन्य लोगों से भी पूछताछ कर रही है।

उधर, पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने बताया कि चढ़ावा चोरी मामले में जांच टीम ने एक व्यक्ति को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस टीम मामले की लगातार जांच कर रही है। कई लोगों से पूछताछ की जा चुकी है और मामले में आवश्यक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

● सीबीआई का बड़ा दावा, एनटीए एक्सपर्ट्स पर लगाए गंभीर आरोप

महीनों पहले हुई नीट पेपर लीक की साजिश

● पेपर तैयार करते समय सवाल याद कर लेते थे, छात्रों तक पहुंचाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट यूजी 2026 पेपर लीक की साजिश परीक्षा से कई महीने पहले रची गई थी। एनटीए के एक्सपर्ट्स ने पेपर तैयार करने के दौरान ही सवाल याद कर लिए थे। सीबीआई ने दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में दाखिल 94 पेज की चार्जशीट में यह दावा किया है। चार्जशीट 28 जुलाई को दाखिल की गई थी। इसकी जानकारी शुक्रवार को सामने आई। इसके मुताबिक, एक्सपर्ट्स एनटीए ऑफिस से होटल लौटकर याद किए गए सवाल पर्चियों पर लिखते थे। इसके बाद इन्हें बिचौलियों और कोचिंग नेटवर्क

के जरिए छात्रों तक पहुंचाया जाता था। सीबीआई ने इस मामले में 13 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इनमें एनटीए के तीन एक्सपर्ट्स शामिल हैं। आरोप है कि तीनों ने पेपर तैयार करने और मॉडरेशन के दौरान अपने पद का दुरुपयोग कर पेपर लीक किए। लीक पेपर टेलीग्राम, वॉट्सएप, व अन्य डिजिटल माध्यमों से पहुंचा।

सीबीआई को इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस चैट रिकॉर्ड मिले

सीबीआई का कहना है कि फोरेंसिक जांच, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, चैट रिकॉर्ड, बरामद दस्तावेज और गवाहों के बयान से पूरे नेटवर्क की पुष्टि हुई। चार्जशीट में मनीषा संजय वाघमारे, धनंजय लोखंडे, शुभम मधुकर खैरनार और यश यादव को इस नेटवर्क की अहम कड़ी बताया गया है। ये लीक पेपर आगे छात्रों तक पहुंचाते थे। सीबीआई के अनुसार, यह पूरा घटनाक्रम 2025 के आखिर और 2026 की शुरुआत का है। जब नीट के पेपर तैयार किए जा रहे थे। चार्जशीट में कहा गया है कि एक आरोपी ने लीक पेपर के बदले बिचौलिए को अपने 10वीं और 12वीं के सर्टिफिकेट्स और ब्लैंक चेक भी सिक्योरिटी के तौर पर दिया था।

चार्जशीट में कोचिंग संचालक और डॉक्टर भी आरोपी

सीबीआई ने चार्जशीट में डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल एकेडमी, पुणे के तेजस हर्षद कुमार शाह, रेणुकाई करियर सेंटर के मैनेजिंग पार्टनर शिवराज मोटेगांवकर और सिद्धिविनायक हॉस्पिटल के मालिक डॉ. मनोज भगवानराव शिरुरे को भी साजिश का हिस्सा बताया है। जांच के मुताबिक, इन लोगों ने एनटीए के बाहर पूरे नेटवर्क का संचालन किया और लीक पेपर छात्रों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। सीबीआई के मुताबिक, पेपर लीक का मकसद अवैध कमाई और कुछ कोचिंग संस्थानों के रिजल्ट बेहतर दिखाना था। सीबीआई ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की आपराधिक साजिश रची।

गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं, सभी कार्य तय समय में पूर्ण हों: मुख्यमंत्री

खेल विजन, नई खेल नीति और लिगेसी प्लान के अनुरूप आधुनिक खेल अवसंरचना विकसित करने के निर्देश

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के समक्ष आज मुख्यमंत्री आवास में खेल विभाग द्वारा उत्तराखंड क्रीड़ा विश्वविद्यालय, गौलापार (नैनीताल) के निर्माण कार्यों की विस्तृत प्रगति प्रस्तुति दी गई। प्रस्तुतीकरण के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में विकसित की जा रही खेल अवसंरचना, शैक्षणिक भवनों, प्रशिक्षण सुविधाओं, छात्रावासों, खेल विज्ञान केंद्र, अनुसंधान सुविधाओं तथा अन्य निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति की जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय के सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय–सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएँ तथा गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि उत्तराखंड के खेल भविष्य को नई दिशा देने वाला एक महत्वपूर्ण संस्थान है, इसलिए प्रत्येक निर्माण कार्य उच्च मानकों के अनुरूप और दीर्घकालिक उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार राज्य को खेल उत्कृष्टता के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए एक व्यापक और दूरदर्शी रणनीति पर कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उत्तराखंड स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का विकास राज्य की नई खेल नीति, खेल विजन और लिगेसी प्लान के अनुरूप किया जाए, ताकि यह संस्थान खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, खेल वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के लिए विश्वस्तरीय अवसर उपलब्ध करा सके।

उन्होंने कहा कि स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएँ, अंतरराष्ट्रीय मानकों के खेल मैदान, इनडोर एवं आउटडोर खेल परिसरों, स्पोर्ट्स साइंस एवं स्पोर्ट्स मेडिसिन सुविधाओं, उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण केंद्रों तथा खेल प्रबंधन और खेल अनुसंधान से संबंधित उन्नत व्यवस्थाओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उनका कहना था कि यह विश्वविद्यालय उत्तराखंड के युवाओं को खेल शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को पहचानने, उन्हें प्रशिक्षित करने और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने हेतु निरंतर कार्य कर रही है। राज्य में आधुनिक खेल अवसंरचना के विकास, जिला और ब्लॉक स्तर तक खेल सुविधाओं के विस्तार, प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, उपकरण, पोषण और प्रतियोगिताओं में भागीदारी के लिए आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने की दिशा में अनेक पहलें की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार की खेल नीति का उद्देश्य केवल पदक जीतना नहीं, बल्कि खेल संस्कृति को जन–जन तक पहुँचाना, युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली की ओर प्रेरित करना तथा खेलों को शिक्षा, कौशल और रोजगार से जोड़ना है। इसी दृष्टिकोण के अंतर्गत खेल विजन और लिगेसी प्लान के माध्यम से दीर्घकालिक खेल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया जा रहा है, जिससे उत्तराखंड आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर अपनी मजबूत पहचान स्थापित कर सके।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को विश्वविद्यालय परियोजना की नियमित समीक्षा करने, निर्माण कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, तकनीकी मानकों का कठोर अनुपालन करने तथा समयबद्ध प्रगति के लिए प्रभावी समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्रीमती रेखा आर्या , विशेष प्रमुख सचिव श्री अमित सिन्हा तथा खेल विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

राउप्रावि मोहम्मदपुर में होगा दो अतिरिक्त कक्षों का निर्माण

रूड़की। एक वर्ष से नए भवन निर्माण का इंतजार कर रहे राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर बुजुर्ग के विद्यार्थी और शिक्षकों के लिए अच्छी खबर है। जिला प्रशासन ने विद्यालय में दो अतिरिक्त कक्षों के निर्माण को स्वीकृति देते हुए इसके लिए 22 लाख का बजट स्वीकृत किया है। ग्रामीण निर्माण विभाग को कक्षों के निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

राउप्रावि मोहम्मदपुर बुजुर्ग के पुराने जर्जर भवन को बीते साल अगस्त माह में ध्वस्त कर दिया गया था लेकिन नए भवन निर्माण के लिए बजट जारी नहीं होने के कारण यहां अभी तक नए भवन का निर्माण शुरू नहीं हो सका है। इसके कारण विद्यालय में पढ़ने वाले तीन कक्षाओं के छात्र–छात्राएं एक ही अतिरिक्त कक्ष में बैठकर आखर ज्ञान ले रहे हैं।

एक नजर

अल्मोड़ा में गुलदार से दराती लेकर भिड़ी युवती

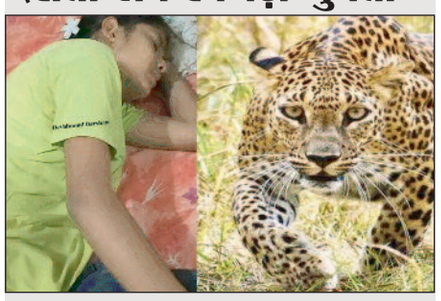

अल्मोड़ा।उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में गुलदार का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। आए दिन हो रहे हमलों से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। इसी बीच अल्मोड़ा जिले के स्याल्दे विकासखंड से साहस और हिम्मत की मिसाल पेश करने वाली एक घटना सामने आई है। यहां 22 वर्षीय युवती ने अचानक हुए गुलदार के हमले के दौरान घबराने के बजाय अपने हाथ में मौजूद दराती (हंसिया) से मुकाबला कर अपनी जान बचा ली। हालांकि इस संघर्ष में युवती गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। जानकारी के अनुसार, स्याल्दे क्षेत्र के बबलिया गांव के मयाल तोक निवासी 22 वर्षीय सुनीता कत्यूरा, पुत्री हर सिंह कत्यूरा, गुरुवार शाम अपने मवेशियों के लिए घास काटने जंगल की ओर गई थीं। इसी दौरान झाड़ियों में पहले से घात लगाए बैठे एक गुलदार ने अचानक उन पर हमला कर दिया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गुलदार ने सुनीता को दबोचने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने असाधारण साहस का परिचय देते हुए हाथ में मौजूद दराती से लगातार वार किए। युवती के साहसिक प्रतिरोध से गुलदार कुछ देर के लिए पीछे हटा। इसी बीच सुनीता की चीख–पुकार सुनकर ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंच गए। लोगों के शोर मचाने पर गुलदार घायल युवती को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया।

जानलेवा हमले के आरोपियों को नहीं मिली जमानत

रूड़की। माइनिंग एजेंसी के कर्मचारियों पर जानलेवा हमला करने और एजेंसी के वाहन को क्षतिग्रस्त कर देने के मामले में गिरफ्तार दो आरोपियों की जमानत याचिकाएं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुधीर कुमार सिंह ने खारिज कर दी हैं। मामले में चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था।सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी ने बताया कि वादी तेजा साईं राजू निवासी नागार्जुन नगर सत्तेनपल्ली जनपद पलनाडू आंध्र प्रदेश की ओर से लक्सर कोतवाली में दर्ज कराई गई प्राथमिकी में बताया गया था कि 13 जुलाई की सुबह चेकिंग के दौरान खनन की ट्रैक्टर–ट्रॉली पकड़ने पर उन्हें धमकी दी गई थी। शाम के समय भी उन्होंने एक ट्रैक्टर–ट्रॉली पकड़ी।

आरोप है कि वजन कराने के लिए ले जाते समय चालक ने ट्रैक्टर–ट्रॉली लेकर भागने का प्रयास किया। पीछा कर पकड़ने के दौरान आरोपियों ने उनके वाहन पर लाठी–डंडे और ईंट – पत्थर से हमला कर वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया और उन्हें व वाहन चालक दीप सिंह को वाहन से खींचकर उन पर लाठी–डंडे और लोहे की रॉड से जानलेवा हमला किया गया।

बारिश रुकने के बाद गंगा नदी का जलस्तर हुआ कम

रूड़की। पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों में हुई मूसलाधार बारिश के कारण चेतावनी निशान के पार हुई गंगा का जलस्तर शुक्रवार को धीरे–धीरे कम हो रहा है। हालांकि बाढ़ का पानी खानपुर और उत्तर प्रदेश की लगभग 15 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि पर फैल गया है। इससे किसानों के सामने फिर से रोजी–रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों में जुटा जिला प्रशासन

देहरादून।आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह को गरिमामय, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित करने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार को जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने परेड ग्राउंड में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह की तैयारियों को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की और सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए।बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि स्वतंत्रता दिवस केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश की आन–बान और शान से जुड़ा राष्ट्रीय पर्व है। ऐसे में समारोह की प्रत्येक व्यवस्था उच्च मानकों के अनुरूप होनी चाहिए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समारोह स्थल पर अतिथियों, स्वतंत्रता सेनानियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और आम नागरिकों के लिए सुव्यवस्थित सीटिंग प्लान तैयार किया जाए। साथ ही पर्याप्त पेयजल, स्वच्छ शौचालय, साफ–सफाई, विद्युत आपूर्ति और वैकल्पिक बिजली व्यवस्था पहले से सुनिश्चित की जाए, ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।इसके अलावा समारोह स्थल पर आवश्यक सुविधाओं का पूर्व निरीक्षण कर कमियों को समय रहते दूर करने के भी निर्देश दिए गए।

यातायात और सुरक्षा पर विशेष फोकस

जिलाधिकारी ने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को समारोह के दौरान सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत ट्रैफिक प्लान तैयार करने के निर्देश दिए। पार्किंग स्थलों का चिन्हीकरण, आवश्यक रूट डायवर्जन और वाहनों की आवाजाही को व्यवस्थित रखने पर विशेष जोर दिया गया।

इसके साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी पुलिस विभाग को आवश्यक तैयारियां पूरी करने और समारोह स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

समन्वय से पूरी हों तैयारियां

डीएम डॉ. आशीष चौहान ने सभी विभागों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर बल देते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह से जुड़ी सभी तैयारियां निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी कर ली जाएं। कार्यक्रम से पहले सभी व्यवस्थाओं का संयुक्त निरीक्षण कर किसी भी कमी को तत्काल दूर किया जाए, ताकि समारोह गरिमा और भव्यता के साथ संपन्न हो सके।

बैठक में रहे मौजूद

समीक्षा बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) स्मृता परमार, पुलिस अधीक्षक नगर प्रमोद कुमार, नगर मजिस्ट्रेट राकेश तिवारी, उप जिलाधिकारी सदर अपूर्वा सिंह, उप जिलाधिकारी मुख्यालय रविंद्र जुआंठा, परियोजना निदेशक विक्रम सिंह, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार, उप निदेशक सूचना बद्री चंद नेगी, जिला पूर्ति अधिकारी के.के. अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तराखंड कांग्रेस की नई प्रदेश कार्यकारिणी घोषित

देहरादून।आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को गति देते हुए उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने लंबे इंतजार के बाद अपनी नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है।

प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में घोषित इस जंबो कार्यकारिणी में विभिन्न क्षेत्रों, सामाजिक वर्गों और पार्टी के अलग–अलग गुटों को प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया गया है। नई टीम में अध्यक्ष के अलावा 36 महासचिव, 107 सचिव सहित कुल 242 पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथ ही संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से पांच महत्वपूर्ण समितियों का भी गठन किया गया है। नई कार्यकारिणी में वरिष्ठ नेताओं के साथ युवा चेहरों को भी स्थान दिया गया है। उपाध्यक्ष, महासचिव और सचिव पदों पर कई पुराने और अनुभवी नेताओं के साथ नए कार्यकर्ताओं को भी अवसर मिला है। प्रदेश नेतृत्व का कहना है कि संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय बनाने और आगामी चुनावी रणनीति को मजबूत करने के उद्देश्य से संतुलित टीम तैयार की गई है।

सभी प्रमुख गुटों को मिला प्रतिनिधित्व

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस कार्यकारिणी में कांग्रेस हाईकमान ने प्रदेश के लगभग सभी प्रमुख नेताओं और गुटों के बीच संतुलन बनाने का प्रयास किया है। प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल की पसंद के नेताओं को जहां महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिली हैं, वहीं नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह तथा अन्य वरिष्ठ नेताओं के समर्थकों को भी संगठन में पर्याप्त स्थान दिया गया है।

तेज बारिश व आकाशीय बिजली चमकने का अलर्ट

देहरादून। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार सात अगस्त को उत्तरकाशी, देहरादून, टिहरी, रुद्रप्रयाग और बागेश्वर जिलों में कहीं–कहीं भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं पर्वतीय क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर तेज से अत्यंत तेज बारिश के दौर के साथ आकाशीय बिजली चमकने का अनुमान है। मैदानी जिलों हरिद्वार और उधमसिंह नगर में भी गरज–चमक के साथ बिजली गिरने की संभावना को देखते हुए सतर्क रहने की सलाह दी गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में अच्छी बारिश दर्ज की गई, जिससे तापमान में गिरावट आई है। पहाड़ी क्षेत्रों में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी नीचे रहा, जबकि मैदानी इलाकों में भी तापमान सामान्य से कम दर्ज किया गया।

उत्तराखंड में 132 सड़कें बंद

राज्य में भूस्खलन, भूधंसाव के चलते चार एनएच, चार स्टेट हाईवे, एक मुख्य जिला मार्ग समेत 132 सड़क बंद हैं। इनमें सबसे अधिक 132 ग्रामीण सड़कें प्रभावित हैं। जिलों की बात करें तो अल्मोड़ा में 05, बागेश्वर में 11, चमोली में 24, देहरादून में 10, नैनीताल में 9 मार्ग बंद हैं। पौड़ी में 17 और पिथौरागढ़ में दो बीआरओ के एनएच (सोबला–तिदांग और तवाघाट–गुंजी) समेत 18 मार्ग बंद हैं। रुद्रप्रयाग में 07, टिहरी में 16 और उत्तरकाशी जिले में बड़कोट–विकास निगम एनएच समेत 15 मार्गों पर आवागमन ठप है। लोनिवि की ओर से सभी बंद मार्गों को खोलने का प्रयास किया जा रहा है।

चेतावनी स्तर पर पहुंचा नदियों का जलस्तर

बारिश से नदियों का जल स्तर बढ़ा है। हरिद्वार में गंगा चेतावनी निशान से ऊपर बह रही है। बृहस्पतिवार दोपहर एक बजे गंगा चेतावनी निशान 293 से भी ऊपर पहुंच गई। गंगा का जलस्तर 293.30 दर्ज किया गया। खानपुर में भी गंगा चेतावनी रेखा पार कर गई है। जिला प्रशासन ने निचले इलाकों के लिए अलर्ट घोषित किया है। वहीं, ऋषिकेश की बात करें तो सिंचाई विभाग के अनुसार गंगा 339.90 मीटर पर बह रही है, जो चेतवानी रेखा से 25 सेमी ऊपर है। गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ने से प्रसिद्ध त्रिवेणी घाट और परमार्थ निकेतन का आरती स्थल पूरी तरह जलमग्न हो गया है। रुद्रप्रयाग में अलकनंदा और मंदाकिनी नदी का जल स्तर भी खतरे के जल स्तर के बेहद करीब पहुंच गया। चमोली जिले में तीन बजे तक अलकनंदा, नंदाकिनी और पिंडर नदी का जल स्तर चेतावनी स्तर के पास पहुंच गया। शाम चार बजे सीमांत जिले पिथौरागढ़ में काली नदी का जल स्तर भी काफी बढ़ा हुआ मिला। गोरी और सरयू नदी का जल स्तर भी खतरे के जल स्तर के पास पहुंचा हुआ था।

डैम, बैराजों से पानी छोड़ने पर सीमावर्ती राज्यों को भी भेजें अलर्ट : सीएस

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने कहा कि नदियों के जलस्तर पर 24 घंटे निगरानी रखी जाएं। डैम, बैराजों से पानी छोड़े जाने की स्थिति में डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को पूर्व सूचना देकर सतर्क किया जाए। आवश्यकता पड़ने पर सीमावर्ती राज्यों को भी समय रहते अलर्ट किया जाए ताकि किसी भी संभावित जोखिम को न्यूनतम किया जा सके।

मुख्य सचिव बर्द्धन ने यह निर्देश राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में प्रदेश में लगातार हो रही बारिश के कारण उत्पन्न स्थिति की समीक्षा के दौरान दिए। उन्होंने कहा कि मौसम संबंधी सभी चेतावनियां और अलर्ट अंतिम छोर पर रहने वाले व्यक्ति तक भी समय पर पहुंचना सुनिश्चित किया जाए।

आपदा में घर के साथ दस्तावेज भी हो गए क्षतिग्रस्त तो घबराने की जरूरत नहीं

देहरादून। आपदा में राज्य के अगर किसी मतदाता का घर और दस्तावेज क्षतिग्रस्त हो गए हैं तो वे न घबराएं। चुनाव आयोग ऐसे मतदाताओं की सुविधा के लिए स्थानीय स्तर पर बीएलओ की रिपोर्ट को ही नोटिस के निपटारे का आधार बनाएगा। वहीं, प्रदेश में अब तक 24 लाख में से 20 लाख मतदाताओं को नोटिस तामील कराए जा चुके हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने बृहस्पतिवार को सचिवालय स्थित मीडिया सेंटर में प्रेस वार्ता कर प्रदेश में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की जानकारी दी। एसआईआर प्रक्रिया के तहत नोटिस फेज में 24.30 लाख के सापेक्ष 20.27 लाख नोटिस मतदाताओं तक पहुंचा दिए गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 14 जुलाई से पांच अगस्त तक दावे और आपत्तियों के फेज में अब तक फॉर्म–6 के 57 हजार, फॉर्म–7 के 22,668 और फॉर्म–8 के 26,145 आवेदन बीते 20 दिन में प्राप्त हो चुके हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि नोटिस व आपत्तियों के निपटारे के लिए जरूरी है कि ईआरओ संतुष्ट हों। अगर किसी का घर आपदा में बह गया और उसके साथ उसके दस्तावेज भी क्षतिग्रस्त हो गए तो ईआरओ अपने बीएलओ की मदद से ऐसे नोटिस का निपटारा करेंगे। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति अधिकतम पांच मतदाताओं पर आपत्ति जता सकता है जबकि राजनीतिक दलों के बीएलए–2 रोजाना 10 मतदाताओं पर आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। राजनीतिक दलों से भी एसआईआर को लेकर लगातार फीडबैक लिया जा रहा है।

सीलिंग भूमि मामले में जन संघर्ष मोर्चा का तहसील घेराव

विकासनगर।सीलिंग भूमि (चाय बागान भूमि) के नाम पर आमजन के कथित उत्पीड़न के विरोध में शुक्रवार को जन संघर्ष मोर्चा ने विकासनगर तहसील परिसर का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद मोर्चा पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी देहरादून को संबोधित ज्ञापन मुख्य प्रशासनिक अधिकारी श्री स्याल को सौंपा। इस दौरान संगठन ने जिला प्रशासन पर सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों की अनदेखी करने और वर्षों से भूमि स्वामियों एवं काश्तकारों को अनावश्यक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया। मोर्चा अध्यक्ष एवं जीएमवीएन के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और प्रभावित लोग शामिल हुए। उपजिलाधिकारी की अनुपस्थिति में ज्ञापन मुख्य प्रशासनिक अधिकारी को सौंपते हुए संगठन ने प्रशासन से तत्काल प्रभावी कार्रवाई की मांग की।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला

रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि देहरादून जनपद के एनफील्ड ग्रांट, जमनीपुर, एटनबाग, ईस्ट होप टाउन, बदामावाला, अंबाड़ी, नत्थनपुर सहित कई क्षेत्रों में चाय बागान एवं सीलिंग भूमि के नाम पर भवन स्वामियों और काश्तकारों का उत्पीड़न किया जा रहा है।

समाजसेवियों की पहल रंग लाई: हरबर्टपुर में जानलेवा गड्ढे भरे

विकासनगर। हरबर्टपुर नगरपालिका क्षेत्र के मुख्य मार्ग पर इस्माइल स्टोर के सामने सहित कई स्थानों पर बने गहरे गड्ढे पिछले कई दिनों से राहगीरों और वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बने हुए थे। सड़क की बदहाल स्थिति के कारण आए दिन दोपहिया वाहन चालक, स्कूली बच्चे, बुजुर्ग और पैदल राहगीर दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे थे। कई लोगों के चोटिल होने से स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही थी।शुक्रवार को क्षेत्र के समाजसेवी नीरज रोहिला और जिला पंचायत सदस्य पिंकी रोहिला ने इस समस्या को गंभीरता से उठाते हुए संबंधित विभाग एवं नगरपालिका अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने अधिकारियों से तत्काल गड्ढों की मरम्मत कर आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।जनहित से जुड़े इस मुद्दे पर अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर टीम भेजी। आवश्यक निर्माण सामग्री की सहायता से सड़क पर बने खतरनाक गड्ढों को भर दिया गया, जिससे मार्ग पहले की तुलना में सुरक्षित हो गया।

अवैध खनन में लगी एचएम मशीन सीज

रूडकी। बंजारेवाला क्षेत्र मोहंड रो नदी में स्थित भगवती स्टोन क्रशर के पास में ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक एचएम मशीन को मौके से कब्जे में लेकर सीज कर दिया। पुलिस ने बताया कि अवैध खनन की सूचना मिलने पर टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की और मशीन को सीज कर दिया गया है मामले की जांच की जा रही है। वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि जिस भूमि पर खनन किया जा रहा है वह स्कूल की ओर स्थित खेल मैदान की भूमि है। उनका कहना है कि संबंधित भूमि की अभी तक राजस्व विभाग द्वारा निशानदेही नहीं कराई गई है। ग्रामीणों ने प्रशासनिक अधिकारियों से शीघ्र निशानदेही कराने की मांग की है ताकि सरकारी भूमि पर हो रहे अतिक्रमण और अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

श्री मद्यमहेश्वर धाम यात्रा अग्रिम आदेशों तक अस्थायी रूप से स्थगित

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : जनपद रुद्रप्रयाग में लगातार प्रतिकूल मौसम, भूस्खलन की घटनाओं तथा यात्रा मार्ग पर उत्पन्न सुरक्षा संबंधी जोखिमों को देखते हुए जिला मजिस्ट्रेट एवं अध्यक्ष, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण विशाल मिश्रा ने जनसुरक्षा एवं व्यापक जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए श्री मद्यमहेश्वर धाम की यात्रा को तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेशों तक अस्थायी रूप से स्थगित करने के आदेश जारी किए हैं।

जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं एवं आमजन से अपील की है कि वे अपनी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यात्रा स्थगन संबंधी आदेशों का पूर्ण पालन करें तथा मौसम एवं यात्रा की अद्यतन जानकारी प्राप्त करने के बाद ही अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

जारी आदेश के अनुसार पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग, उप जिलाधिकारी ऊखीमठ एवं अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, ऊखीमठ द्वारा प्रेषित आख्या में यात्रा मार्ग की वर्तमान स्थिति को अत्यंत संवेदनशील एवं जोखिमपूर्ण बताया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मस्ता-मद्यमहेश्वर पैदल मार्ग तलसारी तोक से गौण्डार, बनतोली एवं खुन्नू होते हुए मद्यमहेश्वर धाम तक लगभग 14.50 किलोमीटर लंबा है। मार्ग के प्रारंभिक भाग में लगभग 5 किलोमीटर क्षेत्र में कटिंग कार्य चल रहा है, जिसमें लगभग 3.5 किलोमीटर तक कटिंग का कार्य किया जा चुका है। वर्तमान में यात्रा संचालन को देखते हुए यह कार्य रोक दिया गया है, किन्तु तलसारी तोक से बनतोली तक कई स्थानों पर लगातार भूस्खलन हो रहा है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि अनेक श्रद्धालु एवं यात्री सुरक्षा चेतावनियों की अनदेखी करते हुए भूस्खलन वाले क्षेत्रों से जबरन गुजर रहे हैं तथा जोखिमपूर्ण स्थानों पर फोटोग्राफी एवं सेल्फी लेने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे किसी भी समय गंभीर दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। इसके अतिरिक्त बनतोली में मोरखण्डा नदी पर स्थापित लकड़ी का अस्थायी पुल 24 जुलाई, 2026 को नदी के बढ़े जलस्तर के कारण बह गया था। इसके बाद से यात्रियों की आवाजाही मैनुअल ट्रॉली के माध्यम से कराई जा रही है। ट्रॉली की क्षमता एक बार में केवल दो व्यक्तियों की है। वर्तमान में सावन, कांवड़ यात्रा एवं अवकाश के कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु धाम पहुंच रहे हैं, जिससे ट्रॉली स्थल पर अत्यधिक भीड़, अव्यवस्था एवं आपाधापी की स्थिति उत्पन्न हो रही है। कई बार यात्रियों द्वारा ट्रॉली संचालकों एवं श्रमिकों के साथ दुर्व्यवहार किए जाने तथा सेल्फी लेने की होड़ के कारण सुरक्षा संबंधी गंभीर चुनौतियां सामने आई हैं।

स्मार्ट शॉपिंग मिशन के तहत विद्यार्थियों ने सीखे रिटेल मार्केटिंग के गुर

कोटद्वार के देवी रोड स्थित विशाल मेगा मार्ट का शैक्षणिक भ्रमण करते नवयुग पब्लिक स्कूल, मोटाढांक के विद्यार्थी।

जयन्त प्रतिनिधि कोटद्वार : नवयुग पब्लिक स्कूल, मोटाढांक के विद्यार्थियों ने स्मार्ट शॉपिंग मिशन के तहत देवी रोड स्थित विशाल मेगा मार्ट का शैक्षणिक भ्रमण कर आधुनिक रिटेल मार्केटिंग और उपभोक्ता जागरूकता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां हासिल कीं। इस दौरान विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को रिटेल व्यवसाय की कार्यप्रणाली और बाजार प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने सुपर मार्केट प्रबंधन, सप्लाई चेन, वेयरहाउसिंग, इन्वेंट्री मैनेजमेंट, बारकोड, पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) बिलिंग सिस्टम, शेल्फ मैनेजमेंट, विजुअल मर्चेंडाइजिंग, स्टॉक रोटेशन तथा फास्ट और स्लो मूविंग कंज्यूमर गुड्स की व्यवस्थाओं को करीब से समझा। साथ ही उपभोक्ता अधिकार, अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी), निर्माण एवं समाप्ति तिथि, बैच नंबर, प्रति इकाई मूल्य, डिस्काउंट, कॉम्बो ऑफर, ह्यबाय वन गेट वनह्न योजनाओं, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और ग्राहक सेवा संबंधी जानकारियां भी प्राप्त कीं। विद्यार्थियों को बताया गया कि किसी भी उत्पाद की खरीदारी से पहले उसकी गुणवत्ता, मात्रा, मूल्य और उपलब्ध ऑफरों का तुलनात्मक विश्लेषण करना एक जागरूक उपभोक्ता की पहचान है। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने अपने अनुभव और अवलोकन को विद्यालय की वर्कशीट और डायरी में भी दर्ज किया। विद्यालय की प्रधानाचार्य नीलम नेगी ने कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों का केवल शैक्षणिक रूप से सक्षम होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें जागरूक और जिम्मेदार उपभोक्ता भी बनना चाहिए। ऐसे शैक्षणिक भ्रमण बच्चों में तार्किक सोच, वित्तीय समझ और निर्णय लेने की क्षमता का विकास करते हैं। विद्यालय की प्रशासिका अर्पिता नेगी ने बताया कि इस अभिनव कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वास्तविक बाजार व्यवस्था से परिचित कराना और व्यवहारिक शिक्षा प्रदान करना है। इस अवसर पर शिक्षक राजेश भंडारी, रागिनी चौहान, मनदीप रावत, नीरज सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

नवजात शिशु की हालत खतरे से बाहर

श्रीनगर गढ़वाल : चमोली क्षेत्र के रांगतोली गांव में बृहस्पतिवार को एक गोशाला के समीप मिले नवजात शिशु का बेस अस्पताल श्रीकोट के एनआईसीयू में उपचार चल रहा है। बाल रोग चिकित्सकों के मुताबिक नवजात शिशु की हालत फिलहाल खतरे से बाहर है।

चमोली के रांगगतोली गांव में नवजात को गोशाला के समीप छोड़े जाने की घटना से हर कोई हतप्रभ है। नवजात को गोशाला के समीप लावारिस छोड़ दिया गया था। इतना ही नहीं उसकी किलकारी कोई न सुन पाए इसके लिए उसके मुंह में रबड़ ठूंस दी गई थी। बेस अस्पताल में ग्रामीणों व बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) की मदद से नवजात को तत्काल बेस अस्पताल पहुंचाया गया था। अस्पताल की बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकिता ने बताया कि नवजात की हालत स्थिर है और बेहतर स्थिति में है।

गुलदार पकड़ने को लगाया पिंजरा, वन विभाग ने बढ़ाई निगरानी

वन विभाग की ओर से सनेह क्षेत्र में लगाया गया पिंजरा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सनेह और लालपानी क्षेत्र में पिछले कई महीनों से गुलदार की बढ़ती गतिविधियों से लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों की मांग पर वन विभाग ने शुक्रवार से क्षेत्र में गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की कार्रवाई शुरू कर दी। साथ ही आबादी वाले इलाकों में रात्रि गश्त बढ़ाते हुए वन कर्मियों की टीम भी तैनात कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार, बीते कुछ सप्ताह पहले सनेह क्षेत्र में गुलदार ने एक महिला पर हमला कर दिया था। इसके अलावा गुलदार लगातार आवारा और पालतू कुत्तों को अपना शिकार बना रहा है। स्थिति यह है कि शाम होते ही लोग घरों से बाहर निकलने से भी कतराने लगे हैं। गुलदार की बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए स्थानीय लोगों ने जनप्रतिनिधियों और वन विभाग से क्षेत्र में पिंजरा लगाने की मांग की थी। वन मंत्री के प्रतिनिधि सुमन कोटनाला ने भी वन मंत्री को ज्ञापन भेजकर समस्या के समाधान की मांग उठाई थी। शुक्रवार को वन विभाग की टीम ने मौके का निरीक्षण कर संभावित स्थान पर पिंजरा स्थापित किया। विभाग की ओर से गुलदार की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए नियमित निगरानी और रात्रि गश्त भी शुरू कर दी गई है। वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि यदि कहीं भी गुलदार दिखाई दे तो इसकी सूचना तुरंत विभाग को दें तथा अनावश्यक रूप से जंगल या सुनसान क्षेत्रों में अकेले जाने से बचें।

संक्षिप्त समाचार

शिविर में 150 लोगों ने करवाई स्वास्थ्य की जांच

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रिखणीखाल में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 150 से अधिक लोगों ने अपने स्वास्थ्य का परीक्षण करवाया। इस दौरान लोगों को बेहतर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई।

शिविर में बेस चिकित्सालय कोटद्वार से पहुंचे विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान महिला व प्रसूति रोग, हड्डी रोग, दंत रोग, नेत्र रोग व सामान्य चिकित्सा के विशेषज्ञों ने मरीजों की जांच कर परामर्श दिया। साथ ही जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाएं भी वितरित की। स्वास्थ्य शिविर में दिव्यांग प्रमाण-पत्र के लिए परीक्षण, एक्स-रे, टीबी स्क्रीनिंग, रक्त जांच, एचआईवी एवं किशोर स्वास्थ्य परामर्श व टीकाकरण जैसी विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा. तानिया ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने और लोगों को बेहतर उपचार का लाभ देने के उद्देश्य से शिविर आयोजित किया गया।

बाइकों की टक्कर में दो श्रद्धालु घायल

देवप्रयाग : ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर सकनीधार के पास दो कांवड़ यात्रियों की बाइक की आपस में टक्कर हो गई। हादसे में बदरीनाथ से दर्शन कर लौट रहे शामली निवासी दो श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को 108 सेवा के जरिये सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवप्रयाग भिजवाया। जहां उनका उपचार किया जा रहा है। कोतवाल प्रशांत बहुगुणा ने बताया कि बताया कि शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के जनपद शामली के थाना क्षेत्र स्थित ग्राम जाफरपुर निवासी सागर (32) पुत्र नरेंद्र सैनी और रिंकू (35) पुत्र कल्लू अपनी बाइक से बदरीनाथ धाम के दर्शन कर अपने घर शामली लौट रहे थे। जैसे ही वह सकनीधार के पास पहुंचे तभी सामने से आ रही एक अन्य कांवड़ यात्री की बाइक से उनकी टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार सागर और रिंकू के चेहरे पर गहरी चोटें आईं हैं। उन्हें अस्पताल भेजा गया। (एजेंसी)

गंगोत्री हाईवे : पापड़गाड में सड़क धंसने से फंस रहे हैं वाहन

उत्तरकाशी /बड़कोट। गंगोत्री हाईवे पर पापड़गाड के समीप लगातार सड़क धंसने के कारण आवाजाही करीब तीन घंटे तक बंद रही। इससे कांवड़ यात्रियों के वाहनों का लंबा जाम लगा रहा। उसके बाद बीआरओ ने वहां पर मिट्टी से सड़क की दरारों को भरकर आवाजाही शुरू करवाई। सड़क धंसने के कारण हाईवे और उसके पुल के बीच करीब दस मीटर चढ़ाई पर भारी वाहनों के फंसने के कारण खतरा बना है। वहीं, यमुनोत्री हाईवे शुक्रवार सुबह जगह-जगह मलबा गिरने से करीब चार घंटे तक बाधित रहा।पूर्व ब्लॉक प्रमुख विनीता रावत ने कहा कि पापड़गाड के समीप गंगोत्री हाईवे पर भू-धंसाव पिछले कई वर्षों से हो रहा है लेकिन इसकी सुरक्षा के लिए बीआरओ की ओर से अभी तक उचित कदम नहीं उठाए गए हैं।

उन्होंने सड़क की सुरक्षा के लिए स्थायी ट्रीटमेंट की मांग की है। दूसरी ओर यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग शुक्रवार सुबह जगह-जगह मलबा आने से करीब चार घंटे तक बाधित रहा। एनएच की टीम ने मशीनें लगाकर करीब नौ बजे मार्ग को यातायात के लिए खोल दिया लेकिन सिलाई बैंड सहित कई संवेदनशील स्थानों पर अभी भी आवाजाही जोखिमभरी बनी हुई है। यात्रियों की सुरक्षित आवाजाही के लिए पुलिस और एनएच की टीम लगातार मौके पर निगरानी बनाए हुए है। सिलाई बैंड पर पहाड़ी से लटके चट्टानी मलबे और पत्थरों के कारण लगातार खतरा बना हुआ है।

शिकायत दर्ज कराने पहुंचे ग्रामीण

पुरोला। मूसलाधार बारिश के बीच 72 किलोमीटर का दुर्गम सफर तय कर मोरी विकासखंड के सेवा गांव के ग्रामीण बुधवार को शिकायत लेकर पुरोला तहसील मुख्यालय पहुंचे।

ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद गांव में करंट की समस्या दूर नहीं की गई जिससे एक किसान झुलस चुका है और हाल ही में एक खच्चर की मौत हो चुकी है।ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान कमला देवी के नेतृत्व में उपजिलाधिकारी मुकेश रमोला को ज्ञापन सौंपा।

ग्रामीणों के अनुसार 6 जुलाई 2026 को गांव निवासी किसान दिवान चंद खेत में काम कर रहे थे तभी विद्युत पोल से करंट लगने से वह झुलस गए। उन्हें पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोरी और बाद में देहरादून रेफर किया गया।

इसके बावजूद निग ने समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया। ग्रामीणों ने बताया कि तीन अगस्त को उसी स्थान पर दोबारा करंट से गांव का देशराज की एक खच्चर की मौत हो गई, जबकि वह झुलस गया।प्रधान कमला देवी ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद विभाग का कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा और न ही विद्युत लाइन की तकनीकी खराबी दूर की गई। उन्होंने कहा कि विभाग की लापरवाही के कारण ग्रामीणों की जान-माल लगातार खतरे में बनी हुई है। ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी को सौंपे ज्ञापन में पीड़ित किसान को शीघ्र मुआवजा दिलाने, दोषी अधिकारी-कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने, गांव की विद्युत लाइन की तकनीकी खराबी दूर करने तथा विद्युत पोलों के आसपास आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की।

मिशन कोशिश के तहत शिक्षकों को मिला भाषा शिक्षण का प्रशिक्षण

एकेश्वर विकासखंड के नौगांवखाल में एससीईआरटी के मिशन कोशिश के तहत आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रतिभाग करते शिक्षक।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) के ह्यमिशन कोशिशह्न कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड एकेश्वर के उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत हिंदी एवं अंग्रेजी विषय के शिक्षकों के लिए नौगांवखाल में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षण पद्धतियों को अधिक प्रभावी बनाना और विद्यार्थियों की भाषा दक्षता को सुदृढ़ करना रहा। कार्यशाला का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी गुंजन अमरोही ने किया। उन्होंने शिक्षकों से दैनिक शिक्षण गतिविधियों को अधिक प्रभावशाली बनाने, विद्यालयों में किए जा रहे नवाचारों को साझा करने तथा सुधारात्मक शिक्षण (रिमेडियल टीचिंग) के लिए प्रभावी कार्य योजना तैयार कर उसे सफलता पूर्वक लागू करने का आह्वान किया। प्रशिक्षण के दौरान हिंदी भाषा सत्र में ह्यरहीम के दोहेह्न विषय पर लय-ताल के साथ सस्वर वाचन कराया गया। साथ ही दोहों के भावार्थ, काव्य-सौंदर्य, रस, अलंकार और छंद की विशेषताओं पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षकों ने विषयवस्तु को विद्यार्थियों तक सरल और प्रभावी ढंग से पहुंचाने के व्यावहारिक उपाय भी बताए। कार्यशाला में विकासखंड के दस संकुलों से आए 45 हिंदी एवं अंग्रेजी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भाग लिया। हिंदी विषय में बीआरपी अरविंद सिंह और गणेश पसबोला, जबकि अंग्रेजी विषय में श्वेता कठैत एवं मनीषा पाल ने संदर्भदाता के रूप में प्रशिक्षण दिया। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के ऋषभ और अर्चना ने भी भाषा शिक्षण की नवीन पद्धतियों और प्रभावी रणनीतियों पर अपने विचार साझा किए। कार्यशाला का संचालन प्रशिक्षण नोडल अधिकारी यतेंद्र मोहन धस्माना एवं दीपिका रावत ने किया।

उत्तरकाशी में मतदाता सूची पुनरीक्षण तेज

उत्तरकाशी। भारत निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत उत्तरकाशी में मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने की कवायद तेज हो गई है। जिले की तीनों विधानसभा सीटों पर जारी 63,717 नोटिसों में से 56,748 मतदाताओं तक नोटिस पहुंचाए जा चुके हैं जबकि 5,827 मामलों की सुनवाई पूरी कर निस्तारण की प्रक्रिया आगे बढ़ा दी गई है। जिले के सभी 558 मतदान केंद्रों पर बीएलओ और निर्वाचन कार्मिक घर-घर पहुंचकर नोटिस वितरण और दावे-आपत्तियों की प्रक्रिया को गति दे रहे हैं। शुक्रवार शाम चार बजे तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार पुरोला विधानसभा में 22,426 नोटिसों के मुकाबले 17,653 नोटिस वितरित किए गए, जिनमें 2,758 मामलों की सुनवाई पूरी हो चुकी है।

यमुनोत्री विधानसभा में 19,641 नोटिसों के सापेक्ष 18,594 नोटिस वितरित किए गए और 1,935 मामलों का निस्तारण किया गया। वहीं गंगोत्री विधानसभा में 21,650 नोटिसों में से 20,501 नोटिस वितरित किए गए, जिनमें 1,134 मामलों की सुनवाई पूरी हो चुकी है। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी निर्धारित तिथियों पर प्रत्येक दावे और आपत्ति की सुनवाई कर रहे हैं।

धौंतरी क्षेत्र के 20 से अधिक गांव में 24 घंटे से बिजली गुल

उत्तरकाशी /बड़कोट। जनपद के धौंतरी क्षेत्र में पिछले 24 घंटों से बिजली आपूर्ति सुचारू नहीं हो पाई है। इससे क्षेत्र के करीब 20 से अधिक गांव में ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, मोरी ब्लॉक में भी बिजली आपूर्ति बाधित होने से लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही बड़कोट में रानाचट्टी से आगे जानकीचट्टी और खरसाली क्षेत्र में तारों पर पेड़ गिरने से बिजली आपूर्ति बाधित है। मोरी निवासी नितेश चौहान का कहना है कि पूरे विकासखंड में मानसून सीजन में पिछले दो माह से बिजली कटौती से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बीते बृहस्पतिवार को बड़कोट में भूस्खलन से क्षतिग्रस्त हुई 33 केवी विद्युत लाइन को ऊर्जा निगम कर्मियों ने शुक्रवार को ठीक कर बिजली आपूर्ति

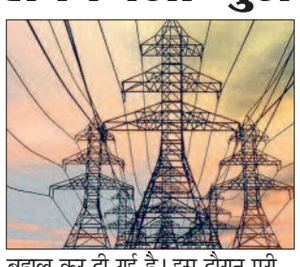

बहाल कर दी गई है। इस दौरान पूरी रवांई घाटी क्षेत्र में करीब 18 घंटे तक बिजली आपूर्ति ठप रही।वहीं, बारिश के कारण बड़कोट नगर की पेयजल व्यवस्था भी प्रभावित हुई। जल संस्थान के कर्मचारियों ने करीब 10 घंटे बाद पेयजल आपूर्ति बहाल की है। महावीर पंवार, जयराम बिष्ट आदि ने शासन प्रशासन से यमुना घाटी के लिए शोपीस बनी मसूरी नैनबाग क्षेत्र बनी बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था को व्यवस्थित ढंग से चालू करने की मांग की।

शहीद मंदीप सिंह रावत की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सरस्वती शिशु विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, जानकीनगर में शुक्रवार को अमर शहीद मंदीप सिंह रावत की पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय परिवार और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने शहीद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया।

कार्यक्रम में प्रधानाचार्य मनोज कुमार कुकरेती, उपप्रधानाचार्य अनिल कोटनाला, देवभूमि पहल समिति के अध्यक्ष शिवम नेगी एवं सचिव उत्कर्ष नेगी सहित अन्य गणमान्य लोगों ने शहीद के जीवन और राष्ट्रसेवा को याद किया। आचार्य रोहित बलोदी ने बताया कि मंदीप सिंह रावत 15वीं गढ़वाल राइफल्स तथा 36 राष्ट्रीय राइफल्स में सेवाएं दे चुके थे। उन्होंने कहा कि 7 अगस्त 2018 की मध्यरात्रि को गुरेज सेक्टर के किशनगंगा क्षेत्र में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ के दौरान उन्होंने दो आतंकवादियों को मार गिराया और मातृभूमि की रक्षा करते हुए वीरगति प्राप्त की। प्रधानाचार्य मनोज कुमार कुकरेती ने कहा कि शहीदों का बलिदान राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है। उनके त्याग, साहस और

कोटद्वार के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, जानकीनगर में शहीद मनदीप सिंह रावत की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते शिक्षिक

राष्ट्रभक्ति से प्रत्येक नागरिक एवं विद्यार्थी को प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि शहीद मंदीप सिंह रावत विद्या भारती परिवार के छात्र रहे थे और उनका प्रेरणादायी जीवन सदैव युवाओं के लिए आदर्श बना रहेगा। कार्यक्रम के अंत में शहीद मंदीप सिंह रावत के स्वजनों को शॉल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

गरिमामय एवं राष्ट्रभक्ति के माहौल में मनाया जाएगा स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी ने की समीक्षा बैठक

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : स्वतंत्रता दिवस के आयोजन को भव्य, गरिमामय एवं राष्ट्रभक्ति के माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला सभागार गोपेश्वर में जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए विभिन्न विभागों को समयबद्ध ढंग से सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय गौरव का पर्व है। इस अवसर पर सभी सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों एवं सार्वजनिक भवनों में ध्वजारोहण, राष्ट्रगान तथा राष्ट्रीय ध्वज संहिता का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी कार्यक्रम पूरे उत्साह, अनुशासन एवं राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ आयोजित किए जाएं। बैठक में विभागवार जिम्मेदारियां निर्धारित करते हुए जिलाधिकारी ने शिक्षा विभाग को 15 अगस्त की प्रातः प्रभात फेरी आयोजित करने के निर्देश दिए। वन विभाग एवं ग्राम्य विकास विभाग को जनपदभर में जल संरक्षण एवं जल संवर्धन विषयक जनजागरूकता एवं श्रमदान कार्यक्रम संचालित करने को कहा। साथ ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं राज्य आंदोलनकारियों के उत्तराधिकारियों को स्वतंत्रता दिवस समारोह में सम्मानपूर्वक आमंत्रित करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने क्रीड़ा विभाग को 14 अगस्त को क्रॉस कंट्री रेस आयोजित करने तथा सभी विभागों को स्वतंत्रता दिवस से पूर्व एवं उसके अवसर पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष संदीप रावत, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, परियोजना निदेशक आनंद कुमार, उपजिलाधिकारी राज कुमार पांडे, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. राजीव पाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

टोंस और यमुना नदी में गाद की मात्रा बढ़ी

विकासनगर। कालसी क्षेत्र में टोंस नदी पर बने इछाड़ी बांध में बृहस्पतिवार रात को गाद (आरडी) की मात्रा बढ़ गई थी। शुक्रवार सुबह जलाशय को साफ करने के लिए बांध से करीब 33 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया। उधर यमुना नदी पर बने जुड्डो बांध में गाद की मात्रा बढ़ने से बांध के गेट खोल दिए गए। दोनों नदियों से आए गाद को निकालने के लिए डाकपत्थर बैराज से सुबह करीब सुबह 12 गेट खोलकर अधिकतम करीब 49 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। गाद की मात्रा कम होने से पानी की निकासी भी कम की जा रही है। बृहस्पतिवार रात 8:00 बजे से छिबरो, खोदरी, ढकरानी, ढालीपुर जल विद्युत गृह और व्यासी में उत्पादन ठप है। कुल्हाल जल विद्युत गृह में फिलहाल उत्पादन हो रहा है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे कुछ अभिलेखों में मेरा नाम पूनम नेगी दर्ज है, जबकि कुछ अभिलेखों में मेरा नाम पूर्णिमा नेगी दर्ज है। पूनम नेगी एवं पूर्णिमा नेगी एक ही महिला याने मेरे ही नाम है तथा उक्त नामों की अलग-अलग महिलाएं नहीं है।

पूर्णिमा नेगी पत्नी बृजेन्द्र सिंह नेगी निवासी बलभद्रपुर, सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

वैज्ञानिक सोच व नवाचार को बढ़ावा देती है इंस्पायर अवार्ड योजना

पोखरी (चमोली)। इंस्पायर अवार्ड मानक योजना को लेकर ब्लॉक स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। राज्य समन्वयक डॉ. अवनीश उनियाल ने वर्चुअली जुड़ते हुए योजना के तहत शत प्रतिशत नामांकन का लक्ष्य निर्धारित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इंस्पायर अवार्ड योजना वैज्ञानिक सोच व नवाचार को बढ़ावा देती है। ब्लॉक सभागार में खंड शिक्षा अधिकारी नेहा भट्ट की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में जिला समन्वयक गंभीर सिंह असवाल ने बताया कि केंद्र सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से इंस्पायर अवार्ड मानक योजना संचालित होती है। इसका उद्देश्य कक्षा छह से 12वीं तक के विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच और नवाचार को बढ़ावा देना है। जिन विद्यार्थियों के आइडिया को चयनित किया जाएगा उन्हें मॉडल बनाने के लिए डीबीटी के माध्यम से 10 हजार रुपये दिए जाएंगे। खंड शिक्षाधिकारी नेहा भट्ट ने सभी संकुल समन्वयकों को इंस्पायर अवार्ड योजना में शत प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

उत्तर रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद-244001 द्वारा निविदाकर्ताओं से निम्नलिखित नद के लिए इलेक्ट्रॉनिक निविदा प्रणाली के अन्तर्गत भण्डार की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	निविदा सं.	माल का विवरण	मात्रा (नम्बर में)	अनुमानित मूल्य (रु. में)	निविदा खुलने की तिथि
01	GEM/2026/B/7862182	250 KVA क्षमता वाले DG सेट।	14 नम्बर	4,51,50,000.00	31.08.2026 11:00 AM

नोटः पूर्ण विवरण एवं निविदा की शर्तें वेबसाइट www.gem.gov.in पर उपलब्ध हैं।

सं.: 50-S/LP/2026 दिनांक: 07.08.2026 2733/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

गुणवत्ता की पोल खोलता मानसून

उत्तराखंड में मानसून अपने पूरे शबाब पर है जिसका असर पहाड़ से लेकर मैदान तक स्पष्ट नजर आने लगा है। खास तौर से पहाड़ों में भूस्खलन और पानी के बहाव के कारण कई सड़के आवागमन के लिए बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुई है। उत्तराखंड में मानसून राज्य के बुनियादी ढांचे की कमजोरियों को भी उजागर कर देता है। जगह–जगह भूस्खलन, सड़क धंसने की घटनाएं, पुलों को नुकसान और घंटों तक लगने वाले जाम ने आम लोगों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। यह स्थिति केवल आवागमन की समस्या नहीं है, बल्कि विकास कार्यों की गुणवत्ता और दीर्घकालिक योजना पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। उत्तराखंड का अधिकांश भूभाग पर्वतीय है। यहां सड़कें जीवनरेखा का काम करती हैं। गांवों तक खाद्यान्न, दवाइयां, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं इन्हीं मार्गों के माध्यम से पहुंचती हैं। लेकिन बारिश शुरू होते ही अनेक सड़कों का क्षतिग्रस्त होना यह दर्शाता है कि निर्माण और रखरखाव की व्यवस्था में अभी भी सुधार की बड़ी आवश्यकता है। कई स्थानों पर नई बनी सड़कों में गड्ढे पड़ जाते हैं, डामर उखड़ जाता है और किनारे टूटने लगते हैं। इससे लोगों में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद सड़कें कुछ महीनों की बारिश भी क्यों नहीं झेल पातीं। चारधाम और कांवड़ यात्रा मार्गों पर भी मानसून का व्यापक प्रभाव दिखाई देता है।देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को कई बार घंटों तक रास्तों के खुलने का इंतजार करना पड़ता है। इससे पर्यटन और स्थानीय व्यापार दोनों प्रभावित होते हैं। होटल, टैक्सी, छोटे दुकानदार और अन्य व्यवसायी भी आर्थिक नुकसान झेलते हैं। उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था में पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए सड़क संपर्क बाधित होने का असर सीधे राज्य की आय पर पड़ता है। बारिश के दौरान भूस्खलन की घटनाएं बढ़ना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, लेकिन इनके प्रभाव को कम करने के लिए वैज्ञानिक उपाय किए जा सकते हैं। विशेषज्ञ लंबे समय से सुझाव देते रहे हैं कि सड़क निर्माण के दौरान उचित ड्रेनेज व्यवस्था, पहाड़ियों के संरक्षण, ढलानों की मजबूती और पर्यावरणीय मानकों का पालन किया जाए। कई बार अनियोजित कटान और निर्माण कार्य भी भूस्खलन की संभावना को बढ़ा देते हैं। इसलिए विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाना समय की आवश्यकता है।सबसे चिंताजनक पहलू सड़क सुरक्षा का है। टूटी हुई सड़कों, गहरे गड्ढों और मलबे से भरे मार्गों पर दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। बारिश के समय दृश्यता कम होने के कारण स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। ऐसे में प्रशासन की जिम्मेदारी है कि संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी करे और समय रहते राहत एवं मरम्मत कार्य सुनिश्चित करे। उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में सड़कें केवल यातायात का साधन नहीं, बल्कि विकास का आधार हैं। यदि सड़कें सुरक्षित और टिकाऊ होंगी तो शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और व्यापार सभी क्षेत्रों को लाभ मिलेगा। इसलिए आवश्यक है कि सरकार, निर्माण एजेंसियां और स्थानीय प्रशासन मिलकर ऐसी दीर्घकालिक रणनीति तैयार करें, जिससे हर मानसून के बाद सड़कों की बदहाली की वही पुरानी तस्वीर दोहराई न जाए। भारी बारिश एक प्राकृतिक चुनौती है, लेकिन उसके कारण होने वाला अत्यधिक नुकसान मानवीय लापरवाही का परिणाम नहीं बनना चाहिए। उत्तराखंड को ऐसी सड़कों की आवश्यकता है जो पहाड़ों की कठिन परिस्थितियों का सामना कर सकें और प्रदेश के विकास को मजबूती प्रदान कर सकें।

चिंताजनक है दुनिया में अनाथ बच्चों की संतप्त दुर्दशा

मनोज कुमार अग्रवाल

विश्वभर में कुल अनाथ बच्चों की संख्या लगभग 14 करोड़ से 14.7 करोड़ के बीच अनुमानित है। इनमें से युद्ध, सशस्त्र संघर्ष और आपदाओं की वजह से अनाथ या प्रभावित हुए बच्चों की संख्या भी लगभग 14 करोड़ के करीब आंकी जाती है, क्योंकि कई वैश्विक संगठन युद्ध और आपदाओं से पीड़ित अनाथों को कुल आंकड़ों का एक बड़ा हिस्सा मानते हैं। दुनिया भर में लगभग 14 करोड़ से अधिक बच्चे अनाथ हैं इनमें माता या पिता दोनों में से किसी एक या दोनों को खोने वाले बच्चे शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, दुनिया के संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों में करोड़ों बच्चे रहते हैं। अकेले युद्ध या आपदाओं के कारण संकट झेलने वाले और माता-पिता को खोने वाले बच्चों का आंकड़ा 14 करोड़ के आसपास है।एशिया में लगभग 6.1 करोड़ अफ्रीका में लगभग 5.2 करोड़ लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में लगभग 1 करोड़पूर्वी यूरोप और मध्य एशिया में लगभग 73 लाख है।

आपको बता दें कि भारत में अनाथ बच्चों का संकट भी भयावह है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के अनुसार, भारत में 29.6 मिलियन से अधिक बच्चे सड़कों पर जीवन यापन कर रहे हैं। अनाथालय परित्यक्त बच्चों से भरे पड़े हैं और लाखों बच्चे सड़कों पर भटकते हुए किसी तरह अपना जीवन यापन कर रहे हैं। भारत में अनुमानित रूप से लगभग 2.5 से 3 करोड़ अनाथ और बेसहारा बच्चे हैं। इन बच्चों के अनाथ होने और परिवारों से बिछड़ने के मुख्य कारणों में अत्यधिक गरीबी, माता-पिता की असामयिक मृत्यु गंभीर बीमारियां या महामारी, घरेलू कलह, माता-पिता का अलगाव तलाक और बच्चों को लावारिस छोड़ देना शामिल है।मुख्य वजहेंगंभीर गरीबीः संसाधनों की कमी और आर्थिक तंगी के कारण कई परिवार बच्चों का पालन-पोषण करने में असमर्थ हो जाते हैं। एचआईवी/एड्स, कोविड-19 जैसी महामारियों और अन्य घातक बीमारियों के कारण कम उम्र में माता-पिता का निधन।वहीं सामाजिक दबाव, अनचाही संतान या गरीबी के चलते कई नवजात शिशुओं को सड़कों या कचरे के डिब्बों में छोड़ दिया जाता है। घरेलू हिंसा, माता-पिता का तलाक या आपसी विवाद के कारण भी बच्चे अनाथ जीवन भोगने के लिए मजबूर हो जाते हैं। दुनिया भर में लाखों बच्चे संघर्ष, जलवायु परिवर्तन, विस्थापन और गरीबी के विनाशकारी प्रभावों को झेलते हैं, जिससे उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए बुनियादी अधिकारों और अवसरों से वंचित होना पड़ता है।

यूनिसेफ के मुताबिक, दुनिया के लगभग एक चौथाई बच्चे संघर्ष या आपदाग्रस्त देशों में रहते हैं। माता-पिता को खोने वाले बच्चे की दुर्दशा केवल एक दिन तक सीमित नहीं रह सकती, लेकिन जब युद्ध आम बात हो जाती है, तो उत्पीड़ितों की पीड़ा पीछे छूट जाती है।यूनिसेफ के अनुसार, अनाथ वह बच्चा है जिसकी आयु 18 वर्ष से कम है और जिसने अपने एक या दोनों माता-पिता को खो दिया है। युद्ध जैसी दुखद घटनाओं में अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों को अक्सर किसी जीवित परिवार के सदस्य के साथ रहना पड़ता है या उन्हें पालन-पोषण प्रणाली में जाना पड़ता है, जहां उन्हें कुपोषण और बीमारी जैसी खराब रहने की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। वे जिस भावनात्मक और मानसिक तनाव का अनुभव करते हैं, वह उन्हें बहुत परेशान करता है।यूनिसेफ के मुताबिक, वर्तमान में 46 करोड़ से अधिक बच्चे सूडान, यूक्रेन, म्यांमार, फिलिस्तीन जैसे देशों में संघर्ष क्षेत्रों में रह रहे हैं या वहां से भाग रहे हैं। इन बच्चों को न केवल शारीरिक खतरों का सामना करना पड़ता है, बल्कि अपने परिवारों को खोने के भावनात्मक आघात का भी सामना करना पड़ता है।यूनिसेफ की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 14 करोड़ से अधिक बच्चे अनाथ हैं, जिनमें से 5.2 करोड़ अफ्रीका में, एक करोड़ कैरिबियन और लैटिन अमेरिका में, 6.1 करोड़ एशिया में और 73 लाख मध्य एशिया और पूर्वी यूरोप में हैं। ज्यादातर अनाथ बच्चे अपने दादा-दादी या परिवार के किसी दूसरे सदस्य के साथ रहते हैं।

इन कमजोर बच्चों को और अधिक नुकसान से बचाने की तत्काल जरूरत है, खासकर इसलिए क्योंकि उनमें से कई जलवायु परिवर्तन से गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्रों में रहते हैं।

हर साल छह जनवरी को अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व युद्ध अनाथ दिवस पर उनके जीवन को फिर से बनाने में मदद करने और यह सुनिश्चित करने के लिए वैश्विक समर्थन का आह्वान किया जाता है कि उन्हें वह देखभाल और अधिकार मिलें जिसके वे हकदार हैं।95 प्रतिशत मामलों में सभी अनाथ बच्चे पांच साल से अधिक उम्र के होते हैं। अमीर देशों में अनाथों की संख्या कम है, लेकिन युद्ध या गंभीर बीमारियों से प्रभावित क्षेत्रों में यह संख्या बहुत अधिक है।

अनुमान है कि विश्वभर में करीब 14 करोड़ से अधिक अनाथ बच्चे हैं। इस विशाल संख्या का अंदाजा लगाने के लिए, इसकी तुलना संयुक्त राज्य अमेरिका की जनसंख्या से करें, जो मात्र 32 करोड़ से थोड़ी अधिक है; या रूस की वर्तमान जनसंख्या - 14 करोड़ से। 14 करोड़ से अधिक बच्चे न्यूयॉर्क शहर, लॉस एंजिल्स, शिकागो और अमेरिका के 47 अन्य सबसे बड़े शहरों की संयुक्त जनसंख्या के बराबर होंगे, साथ ही आयरलैंड, नॉर्वे, डेनमार्क, फ्रांस, ग्रीस, निकारागुआ और कोस्टा रिका की संयुक्त जनसंख्या के बराबर भी होंगे। ये केवल संख्याएँ और आँकड़े नहीं हैं, ये बच्चे संकटग्रस्त, संघर्षरत और दुनिया में बहुत कम उम्मीदों से घिरे हुए हैं ।

यूनिसेफ के अनुसार, युद्ध, प्राकृतिक आपदा, गरीबी, बीमारी, सामाजिक कलंक और चिकित्सा संबंधी जरूरतों के कारण प्रतिदिन लगभग 5700 बच्चे अनाथ हो जाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 2017 में 5 वर्ष से कम आयु के 15,000 बच्चों की प्रतिदिन मृत्यु हुई; यानी हर 17 सेकंड में 1 बच्चे की मृत्यु। जीवन के पहले महीने में ही प्रतिवर्ष 27 लाख बच्चों की मृत्यु हो जाती है।

अफ्रीका में हर 15 सेकंड में एक और बच्चा एड्स के कारण अनाथ हो जाता है। रिपोर्ट के अनुसार 60% अनाथ लड़कियाँ यौन व्यापार का शिकार हो जाएँगी। 10-15% अनाथ बच्चे 18 वर्ष की आयु से पहले आत्महत्या कर लेंगे। पूर्वी यूरोप में 70% अनाथ लड़के अपराधी बन जाएँगे।

विश्वसनीय आंकड़े मिलना मुश्किल है, यहां तक कि स्रोतों में भी अक्सर केवल अनुमान ही दिए जाते हैं, और बेघर बच्चों को शायद ही कभी शामिल किया जाता है। लेकिन अगर ये आंकड़े दुगुने भी बढ़ा-चढ़ाकर बताए गए हों, तब भी यह एक असहनीय त्रासदी है कि हर साल दस लाख से अधिक बच्चे अनाथ हो जाते हैं; और हर साल 70 लाख बच्चे अनाथ ही बड़े होते हैं, जिनका कोई अपना नहीं होता और न ही कोई घर होता है। ये जोखिम में पड़े बच्चे हैं जो पूरी तरह से असुरक्षित, जरूरतमंद और आमतौर पर दुनिया में उम्मीद से परे होते हैं।

आपको बता दें कि हर साल 250,000 बच्चों को गोद लिया जाता है, लेकिन 14,050,000 अनाथ बच्चे बिना किसी प्यार भरे परिवार का हिस्सा बने ही अनाथालय से बाहर हो जाते हैं। इसका मतलब है कि हर दिन 38,493 बच्चे अनाथालय से बाहर हो जाते हैं।2 यानी हर 2.2 सेकंड में एक अनाथ बच्चा अनाथालय या पालक देखभाल से बिना किसी परिवार और घर के बाहर निकल जाता है। सभी अनाथ बच्चों में से 1% से भी कम बच्चों को गोद लिया जाता है। बाकी लाखों अनाथ, परित्यक्त और बेघर बच्चों की देखभाल कौन करेगा?

आपको यह भी बता दें कि भारत सरकार अनाथ और बेसहारा बच्चों के लिए मिशन वात्सल्य और पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन जैसी कई प्रमुख योजनाएं चला रही है। इसके तहत बच्चों को हर महीने आर्थिक मदद, मुफ्त शिक्षा, स्वास्थ्य बीमा और 18 से 23 वर्ष की आयु होने पर बड़ा वित्तीय फंड दिया जाता है।प्रमुख योजनाएं और सहायतापीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन योजना कोविड-19 या अन्य कारणों से माता-पिता को खोने वाले बच्चों के लिए है। इसमें 18 साल की उम्र पर रू.10 लाख का फंड और 23 साल होने पर आर्थिक सहायता मिलती है।आयुष्मान भारत : इन बच्चों को रू.5 लाख तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा कार्ड दिया जाता है।मिशन वात्सल्यः बच्चों की देखभाल और सुरक्षा के लिए है। इसके जरिए पात्र बच्चों को रू4,000 प्रति माह की आर्थिक मदद दी जाती है।शैक्षणिक सहायताः स्कूलों में मुफ्त पढ़ाई, उच्च शिक्षा के लिए लोन और विशेष छात्रवृत्ति का प्रावधान है। क्या आपके आसपास कोई वंचित अनाथ बच्चा है तो आप उसकी व्यक्तिक तौर पर अथवा सरकार द्वारा दी जा रही सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास करें यह उसके भविष्य के लिए जरूरी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 40 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता में सक्रिय हैं)

अगस्त क्रांतिः जब जनता बनी नेतृत्व और साम्राज्य हुआ बेबस

योगेश कुमार गोयल

भारत छोड़ो आंदोलन की अमिट गाथा...

भारत छोड़ो आंदोलन, जिसे 'अगस्त क्रांति' के नाम से भी जाना जाता है, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक ऐसे निर्णायक मोड़ का प्रतीक है, जिसने अंग्रेजी शासन की नींव को गहराई से हिला दिया था। यह केवल एक राजनीतिक आंदोलन नहीं था बल्कि भारतीय जनमानस की स्वतंत्रता के प्रति अटूट इच्छा, आत्मबल और त्याग की पराकाष्ठा का सशक्त उदाहरण था। हर वर्ष 8 अगस्त को 'भारत छोड़ो आंदोलन दिवस' के रूप में मनाया जाता है, जो हमें उस ऐतिहासिक संघर्ष की याद दिलाता है, जब पूरा देश एक स्वर में ब्रिटिश शासन के खिलाफ खड़ा हो गया था। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान भारत की राजनीतिक स्थिति अत्यंत जटिल हो गई थी। ब्रिटिश सरकार ने भारत को बिना उसकी सहमति के युद्ध में झोंक दिया था, जिससे भारतीय नेताओं और जनता में व्यापक असंतोष फैल गया। इसी बीच, 1942 में 'क्रिप्स मिशन' भारत आया, जिसने युद्ध के बाद भारत को डोमिनियन स्टेटस देने का प्रस्ताव रखा लेकिन यह प्रस्ताव अस्पष्ट और अधूरा था। भारतीय नेताओं ने इसे अस्वीकार कर दिया क्योंकि इसमें तत्काल स्वतंत्रता की कोई स्पष्ट गारंटी नहीं थी। इस असफलता ने आंदोलन की पृष्ठभूमि तैयार की।

8 अगस्त 1942 को बॉम्बे (अब मुंबई) के गोवालिया टैंक मैदान, जिसे आज 'अगस्त क्रांति मैदान' के नाम से जाना जाता है, में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का ऐतिहासिक अधिवेशन हुआ। इसी अधिवेशन में 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव पारित किया गया। महात्मा गांधी ने इस अवसर पर अपने प्रसिद्ध 'करो या मरो' के नारे के साथ देशवासियों को स्वतंत्रता के लिए अंतिम संघर्ष के लिए प्रेरित किया। यह नारा केवल एक आह्वान नहीं था बल्कि यह उस समय के भारत के आत्मविश्वास और संकल्प का प्रतीक बन गया। इस आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि यह एक पूर्ण जन-आंदोलन बन गया था। 9 अगस्त 1942 की सुबह ही गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल और अन्य प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। अंग्रेजों का उद्देश्य था कि नेतृत्व को खत्म कर आंदोलन को दबा दिया जाए लेकिन इसका उल्टा प्रभाव हुआ। नेताओं की गिरफ्तारी के बाद आंदोलन और अधिक उग्र और व्यापक हो गया। देश के विभिन्न हिस्सों में जनता स्वतः सड़कों पर उतर आई। छात्रों, मजदूरों, किसानों और महिलाओं ने बड़ी संख्या में इस आंदोलन में भाग लिया।

भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान कई स्थानों पर हिंसक घटनाएं भी हुई। रेलवे लाइनों को नुकसान पहुंचाया गया, टेलीफोन और तार सेवाएं बाधित की गई और सरकारी इमारतों पर हमले किए गए। हालांकि महात्मा गांधी का आंदोलन अहिंसात्मक था लेकिन जनता के भीतर दबी हुई आक्रोश की भावना कई स्थानों पर उग्र रूप में सामने आई। ब्रिटिश सरकार ने भी इस आंदोलन को कुचलने के लिए कठोर कदम उठाए। पुलिस और सेना ने बल प्रयोग किया, हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया और कई स्थानों पर गोलीबारी हुई, जिसमें सैंकड़ों लोग शहीद हो गए। इस आंदोलन में महिलाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही। अरुणा आसफ अली, उषा मेहता, सुचेता कृपलानी जैसी अनेक महिलाओं ने न केवल आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाई बल्कि नेतृत्व भी किया। उषा मेहता ने 'कांग्रेस रेडियो' के माध्यम से आंदोलन की जानकारी और संदेश पूरे देश में पहुंचाए। यह दशार्ता है कि यह आंदोलन केवल पुरुषों तक सीमित नहीं था बल्कि इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी थी। भारत छोड़ो आंदोलन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी था कि इसने ब्रिटिश शासन को यह अहसास करा दिया कि अब भारत पर शासन करना संभव नहीं है। यह आंदोलन भले ही तत्काल स्वतंत्रता नहीं दिला सका लेकिन इसने अंग्रेजों की प्रशासनिक और मानसिक पकड़ को कमजोर कर दिया। इसके बाद ब्रिटिश सरकार ने यह समझ लिया कि भारत में उनका शासन लंबे समय तक टिक नहीं सकता। इस आंदोलन का प्रभाव अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी देखा गया। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटेन पहले ही आर्थिक और सैन्य दबाव में था। भारत में इस तरह के व्यापक जन-आंदोलन ने उसकी स्थिति को और कमजोर कर दिया। युद्ध के बाद जब ब्रिटेन की स्थिति और खराब हुई तो भारत को स्वतंत्रता देना उसके लिए एक अनिवार्यता बन गया। भारत छोड़ो आंदोलन का सबसे बड़ा योगदान यह था कि इसने भारतीय जनता को आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का पाठ पढ़ाया। इस आंदोलन ने यह सिद्ध कर दिया कि जब जनता एकजुट होकर किसी लक्ष्य के लिए खड़ी होती है तो सबसे शक्तिशाली साम्राज्य भी उसके सामने टिक नहीं सकता। यह आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का अंतिम और निर्णायक चरण था, जिसने 1947 में मिली स्वतंत्रता की नींव को मजबूत किया। आज जब हम 'भारत छोड़ो आंदोलन दिवस' मनाते हैं तो यह केवल इतिहास को याद करने का अवसर नहीं है बल्कि हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। यह हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्रता केवल एक अधिकार नहीं बल्कि उन अनगिनत बलिदानों का परिणाम है, जिन्हें हमें हमेशा संजोकर रखना चाहिए। वर्तमान समय में जब देश विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब इस आंदोलन की भावना (एकता, साहस और संकल्प) हमारे लिए मार्गदर्शक बन सकती है। भारत छोड़ो आंदोलन केवल अतीत की एक घटना मात्र नहीं है बल्कि यह एक विचार है, एक प्रेरणा है, जो हमें अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का बोध कराती है। 'करो या मरो' का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जो हमें अपने राष्ट्र के प्रति समर्पण और जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करता है। यही इस ऐतिहासिक आंदोलन की सबसे बड़ी विरासत है, जिसे हमें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना है।

संसदीय-गतिरोध से नहीं चलेगा लोकतंत्र, संवाद ही है समाधान

ललित गर्ग

लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति को अराजकता में बदल देना लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। सरकार को कठघरे में खड़ा करना विपक्ष का अधिकार है, परंतु संसद को ठप कर देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है। यही वह सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है जहां राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य से जुड़े विषयों पर गंभीर विमर्श होता है, सरकार जवाबदेह बनती है, विपक्ष जनभावनाओं को स्वर देता है और कानूनों के माध्यम से देश के विकास की दिशा तय होती है। लेकिन अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज संसद संवाद और सहमति का मंच बनने के बजाय टकराव, आरोप-प्रत्यारोप, नारेबाजी और राजनीतिक हठधर्मिता का अखाड़ा बनती जा रही है। मानसून सत्र में जिस प्रकार लगातार गतिरोध बना हुआ है, उससे केवल संसदीय कार्यवाही ही बाधित नहीं हो रही, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा भी आहत हो रही है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए हुई बातचीत भी किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी। यह स्थिति बताती है कि दोनों पक्ष अपने-अपने राजनीतिक आग्रहों में इतने उलझ गए हैं कि राष्ट्रहित पीछे छूट गया है। विपक्ष की ओर से यह शर्त रखी जा रही है कि जब तक कुछ विशेष मुद्दों पर सरकार सदन में बयान और चर्चा के लिए तैयार नहीं होती, तब तक संसद की कार्यवाही नहीं चलने दी जाएगी। दूसरी ओर सरकार भी अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने पर अडिग है। परिणाम यह है कि संसद का बहुमूल्य समय निरर्थक विवादों की भेंट चढ़ रहा है।

लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति को अराजकता में बदल देना लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। सरकार को कठघरे में खड़ा करना विपक्ष का अधिकार है, परंतु संसद को ठप कर देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। लोकतंत्र में विरोध की भी मयार्दा होती है। जब विरोध संसद को चलने ही न दे, तब वह लोकतांत्रिक अधिकार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक दायित्वों की उपेक्षा बन जाता है। पिछले कुछ वर्षों से यह चिंताजनक प्रवृत्ति लगातार बढ़ी है कि संसद सत्र प्रारंभ होने से पहले ऐसे मुद्दे राजनीतिक रूप से उछाले जाते हैं, जिनके आधार पर पूरे सत्र को बाधित किया जा सके। परिणामस्वरूप अनेक महत्वपूर्ण विधेयक बिना पर्याप्त चर्चा के पारित हो जाते हैं अथवा कई विधेयक लंबित रह जाते हैं। इससे सबसे अधिक नुकसान देश को होता है। संसद का प्रत्येक मिनट करोड़ों रुपये की सार्वजनिक धनराशि से संचालित होता है। यदि वह समय केवल शोर-शराबे और नारेबाजी में बीत जाए तो यह करदाताओं के धन और लोकतांत्रिक विश्वास-दोनों का अपमान है।

लोकतंत्र में संवाद ही समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम है। महात्मा गांधी से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी तक भारतीय राजनीति की श्रेष्ठ परंपरा संवाद, सहमति और संवेदनशीलता की रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पक्ष और विपक्ष दोनों अपने-अपने दुराग्रह छोड़कर संवाद की मेज पर बैठें। संसद की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन किसे अधिक कठघरे में खड़ा करता है, बल्कि इस बात में है कि राष्ट्रहित के प्रश्नों पर कितनी गंभीरता से विचार किया जाता है। विशेष रूप से कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल आंदोलन और विरोध का नाम नहीं है। विपक्ष की भूमिका सरकार को गिराने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र को संभालने की होती है। यदि प्रत्येक मुद्दे पर संसद को बाधित करने की रणनीति अपनाई जाएगी तो जनता के बीच यह संदेश जाएगा कि विपक्ष के पास वैकल्पिक नीति और दृष्टि का अभाव है। लोकतंत्र में जनता केवल विरोध नहीं, समाधान भी चाहती है। यदि विपक्ष स्वयं संवाद से दूरी बनाएगा तो ह्यसंवाद से समाधानह्ण का आदर्श केवल नारा बनकर रह जाएगा।

सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतंत्र में बहुमत का अर्थ मनमानी नहीं होता। सरकार को भी विपक्ष की उचित मांगों को सुनना चाहिए और जहां संभव हो, सहमति का मार्ग निकालना चाहिए। संसद किसी एक दल की नहीं, पूरे राष्ट्र की संस्था है। इसलिए सरकार को भी संवेदनशीलता, धैर्य और व्यापक दृष्टिकोण का परिचय देना होगा। किंतु यदि संवाद का प्रत्येक प्रयास केवल राजनीतिक शर्तों और हठधर्मिता में उलझ जाए तो समाधान की संभावनाएं स्वतः समाप्त हो जाती हैं। आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीतिक परिपक्वता की है। दुर्भाग्य से भारतीय राजनीति में आग्रह, पूर्वाग्रह और दुराग्रह का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। हर मुद्दे को चुनावी लाभ-हानि के चश्मे से देखा जा रहा है। संसद में बहस कम और राजनीतिक संदेश अधिक दिए जा रहे हैं। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र को कमजोर करती है। संसद का उद्देश्य जनकल्याणकारी नीतियों पर विचार करना है, न कि चुनावी रणनीतियों का मंच बन जाना।

देश आज आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति, रोजगार, शिक्षा, कृषि, राष्ट्रीय सुरक्षा, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक समरसता जैसी अनेक चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय संसद का प्रत्येक दिन अत्यंत मूल्यवान है। यदि यह समय केवल राजनीतिक टकराव में व्यतीत होगा तो विकास की गति अवश्य प्रभावित होगी। कानूनों में विलंब, नीतिगत निर्णयों की देरी और संसदीय अस्थिरता का सीधा प्रभाव आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। भारतीय लोकतंत्र की मजबूती इस बात में नहीं कि संसद में कितना शोर हुआ, बल्कि इस बात में है कि वहां कितने सार्थक विचार सामने आए। स्वस्थ लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष प्रतिद्वंद्वी अवश्य होते हैं, किंतु शत्रु नहीं। दोनों का अंतिम लक्ष्य राष्ट्रहित होना चाहिए। यदि राजनीतिक दल इस मूल भावना को भूल जाएंगे तो लोकतंत्र केवल संख्या का खेल बनकर रह जाएगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी राजनीतिक दल आत्ममंथन करें। विपक्ष अपने विरोध को रचनात्मक बनाए, सरकार अपने संवाद को व्यापक बनाए और दोनों मिलकर संसद की प्रतिष्ठा पुनः स्थापित करें। लोकतंत्र का भविष्य टकराव में नहीं, संवाद में सुरक्षित है। संसद की गरिमा नारेबाजी से नहीं, विचार-विमर्श से बढ़ती है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में यदि संसद ही गतिरोध का प्रतीक बन जाएगी तो जनता का विश्वास कमजोर होगा, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है। समय की पुकार है कि राजनीति चुनावों की सीमाओं से ऊपर उठकर राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़े। पक्ष और विपक्ष दोनों यह स्मरण रखें कि वे किसी दल के नहीं, पहले भारत के प्रतिनिधि हैं। संसद की प्रत्येक घड़ी राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है। उसे हठ, अहंकार और राजनीतिक स्वार्थ की भेंट चढ़ाना भविष्य की पीढ़ियों के साथ अन्याय होगा। यदि लोकतंत्र को सशक्त बनाना है, संसद की प्रतिष्ठा पुनर्स्थापित करनी है और भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है, तो केवल एक ही मार्ग है-संवाद, सहमति और राष्ट्रहित। यही भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है और यही संसदीय मयार्दा का सर्वोच्च आदर्श।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया में सड़क हादसे में पांच की मौत

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के नॉर्दर्न टेरिटरी में स्टुअर्ट हाईवे पर बुधवार दोपहर करीब 12 :50 बजे दो वाहनों की आमने–सामने की भीषण टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। टक्कर के बाद दोनों वाहन आग की लपटों में घिर गए और पूरी तरह जल गए। प्रारंभिक जांच के अनुसार, एक यूटिलिटी वाहन गलत लेन में चला गया और सामने से आ रही वैन से टकरा गया। हादसे में यूटिलिटी चला रहे 23 वर्षीय युवक, उसके 36 वर्षीय पुरुष साथी और 32 व 23 वर्षीय दो महिला यात्रियों सहित वैन में सवार 69 वर्षीय महिला की मौत हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने मदद की कोशिश की, लेकिन आग और क्षति के कारण किसी भी व्यक्ति को बाहर नहीं निकाल सके। पुलिस के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे से पहले यूटिलिटी वाहन तेज रफ्तार में था और खतरनाक तरीके से ओवरटेक कर रहा था। डिटेक्टिव सीनियर सार्जेंट माइकल शूमाकर ने इसे बेहद दुखद घटना बताते हुए कहा कि इस हादसे ने कई परिवारों और पूरे समुदाय को गहरा सदमा पहुंचाया है। इसी बीच, ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य के केर्न्स शहर में चोरी की गई एक यूटिलिटी वाहन की टक्कर से एक 25 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है।

श्रीलंका में चक्रवात राहत के लिए भारत देगा 33.27 अरब

कोलंबो, एजेंसी। विदेश सचिव विक्रम मिसरी भारत और श्रीलंका के बीच आपसी रिश्तों को और मजबूत करने के उद्देश्य से बुधवार को कोलंबो पहुंचे। उन्होंने एक दिवसीय यात्रा में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात कर हाल में आए चक्रवात दित्वाह से हुए नुकसान और उसके बाद राहत व पुनर्निर्माण के कामों पर भी बातचीत की। दोनों नेताओं ने 33.27 अरब रुपये के आसान कर्ज यानी लाइन ऑफ क्रेडिट के समझौतों पर हस्ताक्षर किए। यह राशि भारत के उस 42.78 खरब रुपये के पैकेज का हिस्सा है, जिसे चक्रवात के बाद श्रीलंका की मदद के लिए घोषित किया गया था। इस पैसे का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे के विकास और जरूरी सामान खरीदने में किया जाएगा। अपनी इस यात्रा के दौरान विक्रम मिसरी ने श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेरथ और अपनी समकक्ष अरुणी राजापक्षा से भी मुलाकात की। इन बैठकों में क्षेत्रीय मुद्दों और दोनों देशों के संबंधों को और गहरा करने पर चर्चा हुई। इसके अलावा उनका प्रधानमंत्री हरिणी अमरसूर्या से भी मिलने का कार्यक्रम है।

खसरे का कहर : बांग्लादेश में पांच और बच्चों की मौत, अब तक 854 मौतें

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में खसरा (मीजल्स) का प्रकोप लगातार गंभीर होता जा रहा है। पिछले 24 घंटों में पांच और बच्चों की मौत के बाद इस बीमारी से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 854 हो गई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने बुधवार सुबह तक के 24 घंटों के दौरान पांच नई मौतों की जानकारी दी। इन सभी मौतों को संदिग्ध श्रेणी में रखा गया है। डीजीएचएस के आंकड़ों के मुताबिक, खसरे से अब तक 96 मौतों की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 758 मौतें संदिग्ध मानी गई हैं। पिछले 24 घंटों में खसरे के 959 नए संदिग्ध मामले सामने आए, जिसके बाद कुल संदिग्ध मामलों की संख्या बढ़कर 1,32,905 हो गई। इसी अवधि में 124 नए पुष्ट मामले दर्ज किए गए, जिससे कुल पुष्ट मामलों की संख्या 16,655 तक पहुंच गई।

अमेरिकी आसमान में ट्रंप का हेलीकॉप्टर पैसेंजर विमान के बेहद करीब पहुंचा, जांच शुरू

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के वॉशिंगटन के आसमान में मंगलवार को एक बड़ी सुरक्षा चूक की घटना सामने आई है। यहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ले जा रहा मरीन वन हेलीकॉप्टर और एक पैसेंजर प्लेन आसमान में एक–दूसरे के बेहद करीब आ गए थे। इस गंभीर मामले की जांच अब सुरक्षा एजेंसियां कर रही हैं क्योंकि यह बड़ा मामला है। व्हाइट हाउस और विमानन नियामक संस्था एफएए ने तुरंत बयान जारी कर स्पष्ट किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति किसी भी समय किसी खतरे में नहीं थे। अधिकारियों ने कहा कि मरीन वन के पायलट दुनिया के सबसे बेहतरीन पायलटों में से एक हैं जो विपरीत परिस्थितियों में सुरक्षा सुनिश्चित करना जानते हैं। इस घटना के बाद आसमान में सुरक्षा नियमों को लेकर फिर से चर्चा शुरू हो गई है। न्यूज एजेंसी एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार यह घटना दोपहर करीब 2 :30 बजे की बताई जा रही है।

बांग्लादेशी क्रिकेटर शाकिब अल हसन के घर पेट्रोल-बम से हमला, पत्थरबाजी और आग लगाने की कोशिश से हड़कंप

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के घर पर बुधवार शाम हमला हुआ। ये घटना बांग्लादेश के मगुरा जिले में स्थित उनके घर पर हुई, जहां कुछ अज्ञात लोगों ने पत्थरबाजी की, खिड़कियां तोड़ दीं और घर में आग लगाने की कोशिश की। ये हमला उस समय हुआ जब कुछ घंटे पहले ही शाकिब ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया था। पुलिस के मुताबिक ये घटना स्थानीय समयानुसार रात करीब 8:45 बजे हुई। हमलावरों ने घर पर ईंट-पत्थर फेंके, जिससे खिड़कियों के शीशे टूट गए। इसके बाद उन्होंने घर में आग लगाने की कोशिश की। घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

पटाखों जैसी आवाजें सुनाई दी गई : स्थानीय लोगों ने बताया कि हमले के दौरान धमाके जैसी आवाजें सुनाई दीं, जिन्हें पटाखों जैसी आवाज बताया गया। स्थानीय मीडिया ने दावा किया कि घर पर पेट्रोल बम भी फेंके गए, हालांकि पुलिस ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग की ओर से जारी एक वीडियो में भी शाकिब के घर के बाहर पटाखों जैसी आवाजें सुनाई दे रही हैं।

मगुरा सदर पुलिस स्टेशन के प्रभारी अब्दुल्ला अल मामुन ने द डेली स्टार से कहा कि कुछ अज्ञात लोगों ने घर पर ईंट-पत्थर फेंके, खिड़कियां तोड़ीं और आग लगाने की कोशिश की। घटना के बाद पुलिस बल को शाकिब के घर के बाहर तैनात कर दिया गया। फिलहाल

हमलावरों की पहचान और हमले के कारण का पता नहीं चल पाया है।

मीडिया कार्यक्रम के बाद हुआ हमला : ये हमला उस मीडिया कार्यक्रम के कुछ घंटे बाद हुआ, जिसमें शेख हसीना ने नई दिल्ली से वर्चुअल रूप से संबोधित किया था। इस कार्यक्रम का आयोजन फॉरेन कॉरेस्पोंडेंट्स क्लब ऑफ साउथ एशिया ने किया था। अपने संबोधन में शेख हसीना ने जुलाई-अगस्त 2024 के आंदोलन पर अपनी सरकार के रुख का बचाव किया और कहा कि छात्र आंदोलन अचानक नहीं था, बल्कि सत्ता परिवर्तन की एक सुनियोजित साजिश थी।

बांग्लादेश में शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद से राजनीतिक तनाव लगातार बना हुआ है। प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी , जमात-ए-इस्लामी और नेशनल सिटिजन पार्टी के नेताओं ने इस कार्यक्रम का विरोध किया था और मीडिया संस्थानों से हसीना का संबोधन प्रसारित न करने की अपील की थी।

क्या प्रेस कॉन्फ्रेंस है हमले की वजह : अवामी लीग के नेताओं और समर्थकों का आरोप है कि शाकिब के घर पर हुआ हमला उनकी इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूदगी से जुड़ा है। हालांकि बांग्लादेशी अधिकारियों ने अभी तक इस हमले और प्रेस कॉन्फ्रेंस के बीच किसी संबंध की पुष्टि नहीं की है और पुलिस ने भी किसी आरोपी की पहचान नहीं की है। शाकिब अल हसन बांग्लादेश के सबसे महान ऑलराउंडरों में गिने जाते हैं, लेकिन अवामी लीग से उनके राजनीतिक संबंधों की वजह से वो लंबे समय से विवादों में भी रहे हैं। वो 2024 के आम चुनाव में अवामी लीग के टिकट पर मगुरा-1 सीट से सांसद चुने गए थे। विपक्षी दलों ने उस चुनाव को निष्पक्ष नहीं माना था। अगस्त 2024 में सत्ता परिवर्तन के बाद अवामी लीग की राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

क्या बोली शेख हसीना : अपने संबोधन में शेख हसीना ने अवामी लीग पर लगे प्रतिबंध को हटाने की मांग की और कहा कि वो तमाम कानूनी चुनौतियों के बावजूद बांग्लादेश लौटेंगी। शाकिब ने अगस्त 2024 में सरकार बदलने के बाद से अब तक बांग्लादेश वापसी नहीं की है। राजनीतिक बदलाव के बाद उनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज किए गए, जिनमें हत्या का मामला भी शामिल है। शाकिब का कहना है कि अगर उन्हें व्यक्तिगत सुरक्षा और निष्पक्ष व्यवहार का भरोसा दिया जाए तो वो बांग्लादेश लौटकर कानूनी प्रक्रिया का सामना करने के लिए तैयार हैं। फिलहाल शाकिब अपने परिवार के साथ अमेरिका में रह रहे हैं और लगातार फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेल रहे हैं। वो कैरेबियन प्रीमियर लीग और लंका प्रीमियर लीग जैसे टूर्नामेंट में खेल चुके हैं। वहीं, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड पहले भी कह चुका है कि राष्ट्रीय टीम के दरवाजे शाकिब के लिए अब भी खुले हैं।

हसीना की वर्चुअल मीटिंग में शामिल हुए थे शाकिब : बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दो साल बाद बुधवार शाम करीब 6.45 बजे को लोगों को वर्चुअली संबोधित किया। जब हसीना बोल रही थीं, उस दौरान उनका कैमरा बंद था। हसीना ने 25 मिनट भाषण दिया। इस दौरान शाकिब अल हसन, शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय, पूर्व शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी भी मौजूद थे।

सांसद बनने के बाद भी क्रिकेट खेलते रहे शाकिब : शाकिब ने सांसद बनने के बाद भी क्रिकेट खेलना नहीं छोड़ा है। अगस्त 2024 में जब बांग्लादेश में बगावत शुरू हुई, तब भी शाकिब की आलोचना हुई थी।

अमेरिका में 3.5 लाख हैती प्रवासियों पर निर्वासन का खतरा, अदालत ने टीपीएस सुरक्षा समाप्त करने पर लगी रोक हटाई

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने ट्रंप प्रशासन को लगभग 3.5 लाख हैती नागरिकों के लिए अस्थायी संरक्षित दर्जा (टेम्परेरी प्रोटेक्टेड स्टेटस-टीपीएस) समाप्त करने की अनुमति दे दी है। इस फैसले के बाद इन प्रवासियों पर निर्वासन का खतरा मंडराने लगा है, जबकि हैती इस समय गंभीर भूख, हिंसा और अस्थिरता जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। टीपीएस एक ऐसी व्यवस्था है, जो उन देशों के नागरिकों को अमेरिका में अस्थायी रूप से रहने और काम करने की अनुमति देती है, जहां युद्ध, प्राकृतिक आपदा या अन्य गंभीर संकट की स्थिति हो। यह दर्जा लाभार्थियों को निर्वासन से भी सुरक्षा प्रदान करता है। डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया की जिला अदालत की न्यायाधीश एना सी. रेयेस ने इससे पहले ट्रंप प्रशासन के उस फैसले पर रोक लगा दी थी, जिसके तहत हैती के नागरिकों की टीपीएस सुरक्षा समाप्त की जानी थी। बाद में एक संघीय अपीलीय अदालत ने भी इस रोक को बरकरार रखा था।

हालांकि, जून में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए कहा कि संघीय कानून के तहत टीपीएस से जुड़े निर्णय न्यायिक समीक्षा के दायरे में नहीं आते। इस फैसले का असर हैती, सीरिया और अन्य उन देशों के नागरिकों पर पड़ सकता है, जिन्हें अमेरिकी विदेश विभाग उच्च जोखिम वाले देश मानता है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद न्यायाधीश रेयेस ने बुधवार को अपना पूर्व आदेश वापस लेते हुए कहा कि शीर्ष अदालत के निर्णय के कारण उनकी 2 फरवरी 2026 की रोक अब प्रभावी नहीं रह गई है। इसके साथ ही हैती के नागरिकों की टीपीएस सुरक्षा समाप्त करने पर लगी रोक भी खत्म हो गई। सरकारी आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर प्रवासी अधिकार संगठन एफडब्ल्यूडी.यूएस ने बताया कि टीपीएस लाभार्थियों में लगभग दो लाख हैती नागरिक अमेरिका में रोजगार कर रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या स्वास्थ्य सेवाओं, खाद्य सेवा, वेयरहाउसिंग, खुदरा व्यापार और दीर्घकालिक देखभाल जैसे क्षेत्रों में कार्यरत है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने हैती को अपने यात्रा परामर्श तंत्र में लेवल-4 श्रेणी में रखा है, जो सबसे उच्च जोखिम स्तर है। विभाग ने वहां अपराध, अपहरण, आतंकवादी गतिविधियों, सामाजिक अशांति और सीमित स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की हुई है। इस फैसले ने अमेरिका में रह रहे हजारों हैती नागरिकों के भविष्य को लेकर नई अनिश्चितता खड़ी कर दी है, क्योंकि अब उन्हें निर्वासन और कानूनी स्थिति से जुड़े जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है।

थाईलैंड में 9वीं के छात्र ने स्कूल में फायरिंग की , पहले घर पर दादा–दादी की हत्या की, फिर स्कूल में 6 को मारा

बैंकॉक। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के पास एक 9वीं कक्षा के छात्र ने अपने दादा–दादी की हत्या कर दी। इसके बाद वह स्कूल पहुंचा और अंधाधुंध फायरिंग कर दी। हमले में 3 टीचर और 3 छात्रों समेत 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, घटना नोंथाबुरी प्रांत के डेबसिरिन नोंथाबुरी स्कूल की है। जांच में पता चला कि स्कूल जाने से पहले छात्र ने अपने घर में दादा–दादी की हत्या की थी। बाद में दोनों के शव घर से बरामद हुए।

पुलिस ने बताया कि फायरिंग में इस्तेमाल की गई 9 एमएम पिस्टल छात्र के दादा की थी, जो पेशे से शिक्षक थे। हमले के बाद आरोपी छात्र भी गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस का कहना है कि छात्र ने यह वारदात क्यों की, इसकी जांच की जा रही है। थाईलैंड के प्रधानमंत्री ने घटना पर दुख जताते हुए घायलों के इलाज और पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद देने के निर्देश दिए हैं।

गोलियां चलते ही क्लासरूम में छिप गए छात्र

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जैसे ही गोलियों की आवाज आई, छात्र अपनी जान बचाने के लिए क्लासरूम में छिप गए। कुछ देर बाद पुलिस ने दरवाजा खटखटाकर उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। घटना के बाद स्कूल में अफरा–तफरी मच गई और बाहर मौजूद लोग एक–दूसरे को संभालते नजर आए। थाईलैंड में स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर गोलीबारी की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। इन घटनाओं के बाद थाई सरकार ने हथियारों की उपलब्धता और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मामलों की निगरानी बढ़ाने की बात कही थी। इसके बावजूद समय–समय पर ऐसी घटनाएं सामने आती रही हैं, जिससे स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं।

कांगो में इबोला का कहर: 1850 मौतें, बच्चों पर सबसे गंभीर असर

किंशासा (एजेंसी)। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफकांगो (डीआरसी) इबोला वायरस के बढ़ते प्रकोप से जूझ रहा है। स्वास्थ्य अधिकारियों के ताजा आंकड़ों के अनुसार, अब तक 4053 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है, जिसमें से 1850 लोगों की जान जा चुकी है। वर्तमान में 694 मरीज इलाजरत हैं, जबकि 793 लोग स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। हालांकि, पूर्वी डीआरसी में हालात सबसे ज्यादा गंभीर बनी हुई हैं।

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यूनिसेफने चिंता जाहिर कर इस प्रकोप में अब तक 330 बच्चों की मौत हो चुकी है। संगठन के मुताबिक, कुल पुष्ट मामलों में बच्चों का हिस्सा करीब एक चौथाई है, लेकिन कुल मौतों में उनकी हिस्सेदारी करीब एक तिहाई

है। विशेष रूप से, 5 साल से कम उम्र के छोटे बच्चों में मृत्यु दर वयस्कों की तुलना में दोगुनी से भी अधिक है।

यूनिसेफ ने बताया कि इबोला के डर और स्वास्थ्य केंद्रों में बाधाओं के चलते परिवार अस्पताल जाने से कतरा रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप बचपन के टीकाकरण, मातृ स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक सेवाओं में भारी गिरावट आई है। यूनिसेफके डीआरसी प्रतिनिधि जॉन एगबोर ने जोर देकर कहा कि यह प्रकोप पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था को अस्त-व्यस्त कर रहा है, जिसका सीधा असर मलेरिया, डायरिया जैसी इलाज योग्य बीमारियों से बच्चों की मौतों पर पड़ेगा। अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा संगठन मेडेसिन्स सैन्स फ्रंटियर्स (डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स) ने चेतावनी दी है कि पूर्वी डीआरसी में इबोला की स्थिति पहले से कहीं अधिक विकट है। संगठन के अनुसार, संक्रमण अभूतपूर्व गति से फैल रहा है और धीमा होने के कोई संकेत नहीं हैं। अस्पतालों में बिस्तरों की कमी, चिकित्सा कर्मचारियों पर अत्यधिक दबाव और समुदायों में व्याप्त डर के कारण मरीज समय पर इलाज नहीं ले पा रहे हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ रही है।

यमन के दक्षिणी तट के पास अदन की खाड़ी में जहाज के नजदीक जोरदार विस्फोट, समुद्री तनाव के बीच बढ़ी चिंता

अदन , एजेंसी। अदन की खाड़ी में यमन के दक्षिणी तट के पासएक टैंकर ने अपने नजदीक तेज धमाके की आवाज सुनने की सूचना दी है। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है, जब हूती विद्रोहियों द्वारा जहाजों को निशाना बनाने के नए अभियान के बाद क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को लेकर तनाव बढ़ गया है। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बुधवार (स्थानीय समय) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि यह घटना अदन से लगभग 95 नॉटिकल मील दक्षिण-पूर्व में हुई। इसमें कहा गया, 'एक टैंकर के मास्टर ने बताया कि उन्होंने जहाज के पास एक जोरदार धमाका सुना और बताया कि सभी क्रू सुरक्षित हैं। ' यमन के सेंट्रल अल-बायदा प्रांत में हूती-नियंत्रित इलाके मुकायरस के लोगों ने न्यूज एजेंसी सिन्हुआ को बताया कि उन्हें जानकारी मिली है कि हूती ने इलाके से अदन की

खाड़ी की ओर एक मिसाइल लॉन्च की है। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि दोनों घटनाएं जुड़ी हुई थीं या नहीं। वहीं, हूती ने भी अब तक इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है। यह घटना हूती और सऊदी अरब के बीच बढ़ते तनाव के बीच हुई है। इससे पहले सोमवार को (स्थानीय समय) एक कार्गो जहाज ने बताया था कि ओमान के तट पर एक अनजान प्रोजेक्टाइल से उस पर हमला हुआ है। यूकेएमटीओ की एक एडवाइजरी के मुताबिक, यह घटना सोमवार को पहले ओमान के अल खसब से लगभग 20 नॉटिकल मील उत्तर-पूर्व में होर्मुज स्ट्रेट के पूर्वी एंट्रेंस के पास हुई। इसके अलावा यमन के पश्चिमी तट के पास लाल सागर में विस्फोटकों से भरी एक नाव के हमले के बाद भारतीय झंडे वाला मालवाहक जहाज डूब गया। सिन्हुआ एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यमनी बलों ने जहाज के 14 चालक दल के सदस्यों को बचा लिया। इनमें 13 भारतीय नाविक और एक यमन का नागरिक शामिल है। हालांकि, हमला कब हुआ इसकी जानकारी नहीं दी गई। सरकार समर्थित नेशनल रेजिस्टेंस फोर्सेज (एनआरएफ) ने एक बयान में कहा कि तटरक्षक बल और नौसेना की इकाइयों ने संयुक्त अभियान चलाकर 'फैजे नूरे ओलिया' नामक जहाज के चालक दल को बचाया। यह जहाज हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले बंदरगाह शहर होदेइदाह से लगभग 13 समुद्री मील दक्षिण में हमले का शिकार हुआ था। जहाज पर मौजूद सभी 14 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। उन्हें चिकित्सकीय सहायता भी दी गई और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। एनआरएफ ने इस हमले के लिए यमन के हूती समूह को जिम्मेदार ठहराया है, लेकिन अभी तक हूतियों की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

पाकिस्तान के 4 में से 2 सूबों में बागी तेवर:सरकार की पकड़ कमजोर

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा सूबा है। यह देश के करीब 45% हिस्से में फैला है और इसकी सीमा ईरान से लगती है। दूर-दूर तक रेगिस्तान और वीरान पहाड़ हैं। लेकिन इन दिनों इस वीराने में सबसे ज्यादा गूंज गोलियों की सुनाई देती है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के लड़ाके अलग देश की मांग को लेकर लड़ रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि बलूच लड़ाकों और पश्तून (पठान) विद्रोहियों का सूबे के करीब 70% हिस्से पर कब्जा है। अब सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि पाकिस्तानी सेना कितने विद्रोहियों को मार रही है या पकड़ रही है। असली सवाल यह है कि क्या सरकार यहां पुलिस थाने चला पा रही है? क्या हाईवे सुरक्षित हैं? क्या बाजार खुल रहे हैं? और क्या लोग बिना डर के एक शहर से दूसरे शहर जा सकते हैं? बलूचिस्तान के कई इलाकों में हथियारबंद लड़ाके बेखौफ होकर क्वेटा, खुजदार और मस्तुंग जैसे शहरों में घुसते हैं। पुलिस थानों और सरकारी दफ्तरों पर हमले करते हैं। कई जगह बीएलए के लड़ाके और पश्तून गुट सड़कों पर अपने नाके लगा लेते हैं। वहां से गुजरने वाले वाहनों की तलाशी लेते हैं और खुलेआम वसूली करते हैं। यही पैसा क्क्र के फंड में जाता है। बलूचिस्तान को पाकिस्तान के खनिजों की खदान भी कहते हैं। बात शुरू की तो खुजदार शहर के युवक मोमिन का पाक सरकार पर गुस्सा फूट पड़ा। मोमिन कहते हैं यहां के ग्वादर पोर्ट पर चीन का कब्जा है। चीन ने सीपैक के नाम पर यहां लगभग 3 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया है। ग्वादर पोर्ट पर चीन की फिशिंग बोट्स का कब्जा है। स्थानीय बलूच मछुआरों को चीनी बोट्स खदेड़ देती हैं। इनकी बोट्स बड़ी और ज्यादा पावर वाली होती हैं। ज्यादातर बलूच मछुआरों के पास अब भी पालदार नौकाएं हैं। बलूच बेरोजगार हो रहे हैं। 55 साल के असलम का कहना है कि यहां के रेयर अर्थ मिनरल पर अमेरिका का कब्जा है। पाक आर्मी चीफ मुनीर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के सामने मिनरल की नुमाइश करते हैं। इस खजाने पर केवल बलूचों का हक है। खैबर पख्तूनख्वा पाकिस्तान का फ्रंटियर यानी सरहदी इलाका है। डूरंड लाइन पाक और अफगानिस्तान को अलग करती है। अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के पांच साल में खैबर के अधिकांश इलाके में इन्हीं का दबदबा है। खैबर में पाक सरकार के कानून नहीं तालिबान का शरिया चलता है। दरअसल, इस इलाके में विभाजन के समय से ही कबिलाई व्यवस्था लागू रही है। स्वात, सैदू, मिंगोरा और मर्दन में 'लोया जिरगा' के जरिए ही कानून चलता है।

ये जिरगा असल में शरिया कानून को लागू करती है। अफगान तालिबान इसका संरक्षक है। अफगान तालिबान तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) संगठन को अपने ठिकानों में पनाह देता है। इमरान खान की सरकार ने 2021 में ज्ञ्ज्ञक्क के साथ सुलह की कोशिश की, लेकिन इमरान की गद्दी जाते ही टीटीपी ने खैबर में अपने दबदबे को और बढ़ा लिया है। खैबर के वजीरिस्तान में पाकिस्तानी सेना कई सैन्य ऑपरेशन कर चुकी है, लेकिन यहां अब टीटीपी काबिज है। आए दिन टीटीपी के हमलों के कारण स्कूल और कॉलेज बंद रहते हैं। पंजाब और सिंध के मूल निवासी कर्मचारी खैबर में अपनी पोस्टिंग नहीं चाहते हैं। खैबर पख्तूनख्वा में टीटीपी के आए दिन होने वाले हमलों से पाक सेना में खौफ है। इस साल टीटीपी फौज पर 145 से ज्यादा हमले कर चुकी है, इनमें 48 सैनिक मारे गए। खैबर में डूरंड लाइन पर अभी पाक सेना की 50 फौजी चौकियां खाली हैं। 22 पोस्ट पर ही पाक फौज तैनात है।

ईरान पर दबाव बढ़ रहा, यह क्रांति के बाद का सबसे मुश्किल समय: राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन

तेहरान , एजेंसी। ईरान और ओमान के बीच होर्मुज स्ट्रेट से एक सुरक्षित कमर्शियल शिपिंग रूट बनाने पर बातचीत लगभग अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। इस बीच, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने देश के लिए वर्तमान समय को काफी मुश्किल भरा बताया और कहा कि प्रतिबंधों और सैन्य टकराव का दबाव बढ़ता जा रहा है। वहीं, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी इस बात की पुष्टि की है कि ईरानी शासन बिखरा हुआ है, जिसकी वजह से दोनों देशों के बीच डील की प्रक्रिया मुश्किल भरी रहेगी। राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन का कहना है कि ईरान पर पाबंदियों और लड़ाई का दबाव बढ़ता जा रहा है और उन्होंने मौजूदा समय को 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद सबसे मुश्किल समय बताया।

अपने शपथ ग्रहण की दूसरी सालगिरह पर बुधवार को सरकारी मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में पेजेश्कियन ने कहा कि पाबंदियां लगातार बढ़ रही हैं और उसके बाद सैन्य टकराव हुआ है। पेजेश्कियन ने आधिकारिक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग (आईआरआईबी) को बताया, 'अभी हम जिन हालात का सामना कर रहे हैं, वे क्रांति के बाद के इतिहास के सबसे मुश्किल हालात हैं। पाबंदियां थीं और वे बढ़ती गईं। फिर, उन्होंने हमारे बैंकों और हमारे फाइनेंशियल ऑपरेशन्स पर पाबंदी लगा दी। इससे खुश नहीं होने पर उन्होंने जंग छेड़ दी। ईरान के राष्ट्रपति ने टीवी पर दिए इंटरव्यू में कहा कि बाहरी दबाव का मकसद सरकार के लिए लोगों का समर्थन कमजोर करना है।उन्होंने दावा किया, 'अब वे जो भी योजना बना रहे हैं और जो भी दबाव डाल रहे हैं, वह लोगों को नाराज करने और जैसा कि वे कहते हैं, उन्हें विरोध करने के लिए उकसाने के लिए है।

पेजेश्कियन ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय एकता ने ईरान को दबाव झेलने में मदद की है। उन्होंने कहा, 'अगर हम आज तक बचे हैं तो इसका श्रेय ईरान के अच्छे लोगों को जाता है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने

बुधवार को ईरान के साथ संभावित समझौते को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर बातचीत आसान नहीं होगी और इसमें काफी समय लग सकता है। वेंस के मुताबिक ईरानी बेहद जटिल लोग हैं और वहां का शासन तंत्र बिखरा हुआ है, जिसकी वजह से डील की प्रक्रिया मुश्किल भरी रहेगी। बुधवार शाम को फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, 'हमारा काम इससे निपटना है और अमेरिकी लोगों के लिए, बल्कि अमेरिका के राष्ट्रपति के लिए भी सबसे अच्छा नतीजा पाना है। तेल की कीमतें नीचे आएंगी और नीचे ही रहेंगी। ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होगा और अमेरिका एक मजबूत स्थिति में होगा। इसके अलावा ईरानी प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने यह भी बताया कि इस हफ्ते के अंत में तेहरान के किसी भी वरिष्ठ अधिकारियों के पाकिस्तान या कतर जाने की कोई योजना नहीं है।

ईरानी विदेश मंत्रालय की प्रेस रिलीज के अनुसार,ईरान और ओमान के बीच प्रस्तावित रूट के भौगोलिक समन्वय पर सहमति बन गई है और वे एक संयुक्त बयान को फाइनल कर रहे हैं जिसमें तय किए गए खास पॉइंट्स बताए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि दोनों देश पिछले दो महीनों से प्रस्तावित रास्ते पर बातचीत कर रहे हैं, जिसमें ईरानी अधिकारी तकनीकी, कानूनी, सुरक्षा और पर्यावरण से जुड़े पहलुओं की समीक्षा कर रहे हैं।

बाघेई ने कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल के सैन्य हमले और उसके कारण इलाके की सुरक्षा पर पड़ने वाले असर के कारण स्ट्रेट को बंद कर दिया गया था।

एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन के तरीकों की सफलता मुख्यतया हानिकारक कीट एवं मित्र कीटों की निगरानी के आधार पर कीट प्रबंधन के विभिन्न घटकों के एकीकरण कर सही निर्णय को लागू करने के ऊपर निर्भर है।

सब्जी उत्पादन में समन्वित कीट प्रबंधन

फसल चक्र अपनाकर कीट नियंत्रण

किसी भी खेत में सब्जियों को लगाते समय उचित फसल-चक्र अपनाना चाहिए जिससे एक ही कुल की सब्जी को पुनः नहीं लगाना चाहिए। इस विधि से निरन्तर जीवन चक्र , अपेक्षाकृत संख्या एवं क्षति स्तर कम किया जा सकता है।

बुवाई व पौध रोपण के समय में परिवर्तन करके- कीटों के प्रति फसल की मुलायम अवस्था को ध्यान में रखकर फसल की बुवाई तथा रोपाई के समय में परिवर्तन करके अधिक हानि से बचाया जा सकता है। सब्जियों की बुवाई व रोपाई के समय में परिवर्तन कर लाल भृंग कीट, फल मक्खी, तना एवं फल छेदक कीट के प्रकोप को कम किया जा सकता है। पौधों की बुवाई व रोपाई ऐसे समय में करना चाहिए, जब पौधों की नाजुक अवस्थाएं एवं हानिकारक कीटों की निष्क्रिय अवस्थाएं समानान्तर हों।

सस्य क्रियाओं द्वारा कीट प्रबंधन

कीट प्रबंधन में इस घटक के ऊपर कोई अतिरिक्त खर्च नहीं होता है, साथ ही यह पर्यावरण को सुरक्षित व अधिक टिकाऊ बनाता है। सस्य क्रियाओं का चयन ऐसा होना चाहिए जिससे नाशीकीटों के ऊपर एकीकृत एवं मित्र कीटों के ऊपर अनुकूल प्रभाव पड़े। इसके अन्तर्गत उचित किस्मों का चयन, बुवाई एवं रोपाई के समय में परिवर्तन, कीट-प्रपंच, फसल चक्र एवं अंतः फसलों का सही चुनाव आदि शामिल है।

अवरोधी एवं सहनशील किस्मों का उपयोग

किसी क्षेत्र के नाशीकीट एवं मित्र कीटों की विविधता एवं सघनता के आधार पर अवरोधी या सहनशील किस्मों का चुनाव समन्वित कीट प्रबंधन की महत्वपूर्ण कड़ी है। इस प्रकार चयनित किस्मों में अपेक्षाकृत कीटों का प्रकोप कम होता है तथा रासायनिक दवाओं के उपयोग में भी कमी आती है। यह विधि सबसे सरल, सस्ती व दुष्प्रभाव रहित है।

ग्रीष्मकालीन जुताई

गर्मी के मौसम में गहरी जुताई करके सुषुप्त अवस्था में पड़े कीड़ों को नष्ट करना एक प्रभावी नियंत्रण विधि है। फसल की कटाई के बाद खेत की गहरी जुताई करके फल मक्खी, कद्दू का लाल भृंग तथा कटुआ कीट के जीवन चक्र को नष्ट कर उनकी सक्रियता को कम किया जा सकता है।

अन्तः फसलीकरण

सब्जियों की फसल के बीच में अन्तः फसलीकरण की क्रिया के द्वारा भी कीटों के प्रकोप को कम किया जा सकता है। अन्तः फसलीकरण में लगाए गए भिन्न-भिन्न प्रकृति के पौधों द्वारा छोड़े जाने वाले जैव रसायन से कीटों के प्रौढ़ दूर भागते हैं तथा उनके द्वारा अण्डा देने की क्रिया भी कम हो जाती है। इस प्रकार के पौध रोपण प्रक्रिया से परभक्षी एवं परजीवी कीटों की क्रियाशीलता को बढ़ाती है। टमाटर एवं गोभी की अन्तः फसलीकरण से इन दोनों सब्जियों में कीट अकेले की अपेक्षा कम लगते हैं।

कीटों को आकर्षित करने वाली फसलों का उपयोग

मुख्य फसल के साथ ऐसी फसलों को लगाना चाहिए, जिनको कीट मुख्य फसल की अपेक्षा अधिक पसंद करते हैं। आकर्षित करने वाली फसलों को मुख्य फसल में लगाकर बिना किसी रसायन के प्रयोग से मुख्य फसल को आसानी से कम लागत में उगाया जा सकता है। क्योंकि मुख्य फसल पर लगने वाले कीड़े आकर्षक फसलों पर आ जाते हैं, जिनको आसानी से नष्ट किया जा सकता है। गोभीवर्गीय फसलों को हरी सूड़ी एवं पर्ण जालक कीट के नियंत्रण के लिए सरसों का तथा टमाटर में लगने वाली फल छेदक कीट के रोकथाम के लिए गेंदे के फसल को आकर्षक फसल के रूप में प्रयोग करना चाहिए।

सब्जी में जैविक विधि से कीट नियंत्रण

समन्वित कीट प्रबंधन में जैविक नियंत्रण एक प्रमुख घटक है। किसी भी परिस्थिति में मित्र कीट एवं अन्य सूक्ष्म जीव मुख्यतया हानिकारक कीटों की संख्या को प्राकृतिक रूप से सीमित रखने में सहायता करते हैं। जैविक नियंत्रण से इन्हीं कारकों का प्रभावी ढंग से समन्वित कीट प्रबंधन में प्रयोग होता है, तथा मित्र कीटों को सुरक्षित रखने का प्रयास किया जाता है। बहुत सारे परभक्षी व परजीवी कीट प्राकृतिक दशा में मित्र कीट के रूप में पाये जाते हैं, जो हानिकारक कीटों के विभिन्न अवस्थाओं को क्षति पहुंचाते हैं। एक हेक्टेयर टमाटर की फसल को फलछेदक कीट से रोकथाम के लिए 2,50,000 ट्राइकोग्रामा परजीवी कीट का प्रयोग किया जाता है। इसी प्रकार क्राइसोपरला कारनिया नामक परभक्षी कीट को 50,000 प्रति हेक्टेयर की दर से दस दिन के अन्तराल पर तीन बार छोड़ने से सफेद मक्खी, हरा फुदका, माहू आदि से फसल को सुरक्षित रखा जा सकता है। कीटों के प्राकृतिक षत्रु को प्रयोगशाला में अधिक संख्या में उत्पादन कर, उसे सफलतापूर्वक, आवष्यकतानुसार फसलों पर छोड़कर विषैले रसायनों के उपयोग में कमी लायी जा सकती है।

व्यवहारिक नियंत्रण

इस विधि के अन्तर्गत प्रौढ़ कीटों को फेरोमोन का प्रयोग कर भ्रमित किया जाता है। सब्जियों में मुख्य रूप से बैगन का तना व फल बेधक, तम्बाकू की सूंड़ी, टमाटर का फल बेधक एवं फल मक्खी को फेरोमोन द्वारा आकृष्ट कर नियंत्रण किया जा सकता है।

सूक्ष्म जीव द्वारा फसलों की सुरक्षा

सूक्ष्म जीव कीटनाशियों के अन्तर्गत जीवाणु, कवक और विषाणु का प्रयोग करके हानिकारक कीटों में रोग उत्पन्न कर उनका नियंत्रण किया जा सकता है। यह रोग हानिकारक कीड़ों में महामारी की तरह फैलता है जिससे कीड़े मर जाते हैं। सूक्ष्म कीटनाशियों में बी.टी. का प्रयोग व्यवहारिक स्तर पर किया जा रहा है। जिसके प्रयोग से गोभी का हीरक पृष्ठ कीट, भिण्डी का तना एवं फल छेदक कीट, टमाटर का फल बेधक कीटों का नियंत्रण संभव हुआ है।

यान्त्रिक विधि से कीटों का नियंत्रण

कुछ कीट जिनको आसानी से देख जा सके उन्हें पकड़कर मार देना चाहिए। हड्डा बीटल, तम्बाकू की सूड़ीं के अण्डे तथा तना व फल को भेदकर खाने वाली सूड़ीं (बैगन व भिण्डी के फल छेदक कीट) को बहुत आसानी से देखकर कीट की विभिन्न अवस्थाओं को नष्ट कर देने से इनसे होने वाली क्षति से बचा जा सकता है। कीट नियंत्रण की इस विधि में लागत कम आती है एवं यह विधि सुरक्षित भी है।

रसायनों का सुरक्षित एवं आवश्यक मात्रा का प्रयोग

रसायनों का अनियमित और अत्यधिक प्रयोग करने से कीटों में प्रतिरोधी क्षमता का विकास हो जाता है। साथ ही हानिकारक रासायनिक अवशेषों की वातावरण में वृद्धि होती है। समन्वित कीट प्रबंधन में यदि दूसरे कारकों के साथ सही संतुलन बनाकर सुरक्षित रसायनों की सही मात्रा एवं उचित अंतराल पर छिड़काव किया जाय तो कीटनाशी रसायन बहुत प्रभावी होता है। विभिन्न कीटनाशियों का अलग-अलग प्रतीक्षाकाल होता है। इसलिए दवा छिड़कने के बाद प्रतिक्षाकाल के बाद फल की तुड़ाई करने से रासायनिक अवयवों के अवषेष नहीं रहते हैं।

अरहर को कीट-रोग से बचाएं

कीट प्रबन्धन

चने की इल्ली: इल्लियाँ हरे से भूरे रंग की एवं शरीर के किनारों पर हल्की या गहरी लहरदार धारियाँ पाई जाती हैं। इसकी इल्लियाँ प्रारम्भिक अवस्था में पत्तियों को नुकसान पहुँचाती हैं तथा बाद की अवस्था में फल्ली में गोलाकार छेद बनाकर अपना सिर फल्ली में घुसाकर दाने को खाती हैं।

फल्ली मक्खी

इस कीट के वयस्क काले रंग के तथा आकार में घरेलू मक्खी से छोटे होते हैं। इसकी इल्लियाँ दाने में सुरंग बनाकर क्षति पहुँचाती हैं तथा क्षतिग्रस्त दानों में फफूंद का प्रकोप होने से यह खाने लायक नहीं रहती। क्षतिग्रस्त फल्लियाँ सूखकर सिकुड़ जाती हैं।

पोड बग

इस कीट के शिशु एवं वयस्क दोनों फल्ली से रस चूसकर नुकसान पहुँचाते हैं, जिसमें फल्लियों में काले धब्बे बन जाते हैं। हरी फल्लियाँ गिर जाती हैं एवं फल्लियों में दाने सिकुड़े हुये, छोटे एवं कम संख्या में पाये जाते हैं।

रोग प्रबन्धन

उकठा (विल्ट)

यह रोग फ्यूजेरियम उडम नामक कवक द्वारा होता है। फसल में फूल एवं फल लगने की अवस्था में रोग का प्रकोप सर्वाधिक होता है। रोगी पौधा एकाएक पीला पड़कर सूखने लगता है।

रोकथाम के उपाय

रोग से बचने के लिये गर्मी में गहरी जुताई व निरोधक जातियाँ जैसे- सी.-11, जे.ए.-4, आशा, राजीव लोचन आदि लगाना चाहिये।

झुलसा रोग

इस रोग का प्रकोप, जहाँ पानी ठहरता है, वहाँ अधिक होता है। रोग के कारण पत्तियों पर पहले पनीले धब्बे बनते हैं। कॉलर भाग में भूरे विक्षत बनते हैं। विक्षत भाग से पौधा टूट कर सूख जाता है। फसल को मादा कूड़ विधि से लगाये, बीज मादा में बोये। खेत से जल निकास की उचित व्यवस्था करें। निंदाई- गुड़ाई समय पर अवश्य करें तथा अनावश्यक पौधे को निकाल दें ताकि उनका आवागमन अच्छा हो जिससे ज्यादा नमी न रहे। गमी की गहरी जुताई करें और संभव हो तो मिट्टी का सूर्यताप द्वारा मिट्टी का 6-7 सप्ताह के लिए निर्जीवीकृत करे ऐसा करने से मृदा जनित रोगों पर नियंत्रण किया जा सकता है।

ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें

चने की इल्ली व शंखी तेज धूप में मर जाती हैं तथा शिकारी पक्षियों द्वारा खा ली जाती हैं।

- फसल की बोनी जून माह में करने से फल्लीभेदक कीटों के प्रकोप में कमी आती है।
- ज्वार की अन्तवर्तीय फसल के रूप में तथा मक्का की ऊँची किस्म को खेत के बॉर्डर पर उगाएं। ये फसलें प्राकृतिक शत्रुओं के छिपने तथा शिकारी पक्षी उन पर बैठकर बड़ी संख्या में इल्लियों का भक्षण करते हैं।
- गेंदा को ट्रैप फसल के रूप में बॉर्डर पर उगाएँ। इससे चने की इल्ली के प्रकोप में कमी आती है।
- खेतों में चिड़ियों के बैठने हेतु 'टी' आकार की खूँटी 50 नग प्रति हेक्टेयर की दर से लगायें।
- प्रकाश प्रपंच फसल से 10-15 मीटर की दूरी पर लगाएँ तथा सायं 6.30 बजे से रात्रि 10.30 बजे तक चलाएँ।
- चने की इल्ली की निगरानी के लिये पाँच फेरोमोन प्रपंच प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 30 दिनों बाद लगाएँ।
- फसल की सतत् निगरानी करते रहें तथा कीटों का आर्थिक स्तर आने पर निम्नलिखित उपाय करें।
- चने की इल्ली: 5 अण्डे या तीन छोटी इल्लियाँ/पौधा या 1 इल्ली/ 5 शाखाओं या 5-6 प्रौढ़/प्रपंच/दिन।

सोयाबीन में बीमारी-कीट का नियंत्रण

बैक्टीरियल पस्च्यूल की समस्या होने पर कासुगेमेसिन 0.2 प्रतिशत, कॉपर आक्सीक्लोराइड 0.2 प्रतिशत, या स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 200 पी.पी.एम. का छिड़काव करें।

गेरूआ रोग से बचाव के लिये हेक्जाकोनेजोल 5 ई.सी. या प्रोपाकोनेजोल 5 ई.सी. या ट्राईएडमिफान 25 डब्ल्यू. पी. या कापर आक्सीक्लोराइड 20 ई.सी. रोग के लक्षण दिखते ही तुरंत 0.1 प्रतिशत की दर से 40-45 दिन की फसल होने पर छिड़काव करें। इस छिड़काव से पौधे पूरी तरह भींगने चाहिए तथा 500-700 लीटर पानी प्रति हे. प्रयोग करना चाहिए। आवश्यकतानुसार 15-20 दिन में छिड़काव दोहराना चाहिए।

कीट नियंत्रण

सोयाबीन फसल में कई कीटों का प्रकोप विभिन्न क्षेत्रों में पाया जाता है। इन कीटों में तने की मक्खी व चक्रभृंग (तना छेदक कीट), अर्ध कुन्डलक इल्ली, कम्बल कीट, तम्बाखू की इल्ली, अलसी की इल्ली, चने की फली छेदक (पत्ती भक्षक कीट), एवं सफेद मक्खी, जेसिड्स माइटस् और थ्रिप्स (रस चूसक) प्रमुख हैं।

इनके नियंत्रण के उपाय निम्नलिखित हैं

- फेरोमोन ट्रैप्स लगाने से वयस्क कीट (उड़ने वाले) आकर्षित होकर ट्रैप में गिर जाते हैं जिससे इल्लियों जैसे कीटों का नियंत्रण संभव है।
- तम्बाखू की इल्ली, एवं कम्बल कीट के नियंत्रण के लिये प्रभावित पौधों से अंडगुच्छ एवं लार्वीगुच्छ वाली पत्तियों को एकत्र कर नष्ट कर दें। जब हम खेत का निरीक्षण करते हैं तब कागज की तरह या जालीदार पत्तियां जैसे ही दिखें वहां पत्तियों के नीचे अंड गुच्छ या लार्वीगुच्छ मिल जायेंगे, इस प्रकार की पत्तियों या पूरे पौधे को धीरे से इकट्ठा करें एवं बोरी में डालते जायें तथा अन्त में खेत से बाहर लाकर नष्ट कर दें। जिस जगह पर इस प्रकार की पत्तियाँ मिलें उसके चारों तरफ कीटनाशक का छिड़काव तुरंत करें।

तना छेदक मक्खी एवं सफेद मक्खी

फोरेट 10 जी. दानेदार दवा को 10 कि.ग्रा. प्रति हे. के हिसाब से जुताई के समय मिट्जी में मिला दें। या थायोमेथोक्जाम 70 डब्ल्यू. एस. 3 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से बोनी पूर्व बीज उपचारित करें।

गर्डल बीटल (चक्रभृंग एवं पत्ती छेदक)

ट्रायजोफास 40 ई.सी. दवा 800 मि.ली. प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें। या इंडोक्साकार्ब 14.5 एस.सी., 300 मि.ली. प्रति छिड़काव करें।

पत्ती भक्षक कीट

स्पायनोसेड 45 एस.सी. 125 मि.ली. प्रति हे. या रायनेक्सीपीर 20 एस.सी. 100 मि.ली. प्रति हे. या क्लोरोपायरीफास 20 ई.सी. या क्यूनालफास 25 ई.सी. 1500 मि.ली. प्रति हे. या इंडोक्साकार्ब 15 ई.सी. 300 मि.ली. प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

जेसिडस, एफिड, माइट्स

इथियान 50 ई.सी. दवा की 1.5 लीटर मात्रा प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

तना मक्खी एवं सफेद मक्खी

थायामेथोक्जाम 25 डब्ल्यू.जी.100 ग्राम प्रति हे. या इथोफेनप्राक्स 10 ई.सी. की 1 लीटर मात्रा प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

जैविक कीटनाशक

- बैवेरिया बेसियाना या बीटी, 1 लीटर प्रति हे. की दर से छिड़काव करने से पत्ती भक्षक इल्लियों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।
- एच.ए.एन.पी.व्ही. या एस.आई.एन.पी.व्ही. की 250 एल.ई. प्रति हे. की दर से छिड़काव करने से भी पत्ती भक्षक कीटों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

बीएड कॉलेजों की शिक्षा गुणवत्ता पर हाईकोर्ट सख्त

नैनीताल। नैनीताल हाईकोर्ट ने प्रदेश के सरकारी बीएड कॉलेजों व संबंधित विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त उच्च शिक्षा देने वाले कालेजों में शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं।मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। मामले के अनुसार प्रदेश में शिक्षा कि गुणवता को बढ़ावा दिए जाने को लेकर पिथौरागढ़ निवासी अधिवक्ता डाक्टर राजेश पांडे ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी। बीते दिन हुई सुनवाई पर याचिकाकर्ता की तरफ से कहा गया कि दो वर्ष बीत जाने के बाद भी राज्य सरकार ने उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के संबंध में कोई हलफनामा कोर्ट

में पेश नही किया है। ऊपर से सरकार हर साल मान्यता प्राप्त कालेजों का संचालन का कार्यकाल बढ़ा रही है। जबकि कालेजों में ना शिक्षक है और ना ही पढ़ने वाले छात्रों के लिए कोई सुविधाएं उपलब्ध है। कालेज हर वर्ष छात्रों से कोर्स के नाम पर कई गुना फीस वसूल कर रहे है। उसके मुताबिक उन्हें कोई सुविधाएं नहीं दी जा रही हैं। याचिका में कहा गया था कि छात्र–छात्राओं से पूरा शुल्क लिया जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद कई बीएड कॉलेजों में आवश्यक शिक्षकों की नियुक्ति नहीं की गई है। जिसकी वजह से प्रदेश का शिक्षा स्तर हर वर्ष गिर गिर रहा है। याचिकाकर्ता ने सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की ओर से जारी दिशा निर्देशों का अवलोकन कोर्ट को कराया। जिसमें शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया था कि उचित प्रशिक्षण और गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के बिना तैयार हुए शिक्षक प्रभावी शिक्षण कार्य नहीं कर सकते और इससे शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होती है। याचिका में कहा कि उच्च शिक्षा और शिक्षक शिक्षा से जुड़े कई निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है।

जिलास्तरीय प्रतियोगिता के लिए 37 बालक और 21 बालिकाएं चुनी गईं

नई टिहरी। बौराड़ी स्टेडियम में आयोजित मुख्यमंत्री खिलाड़ी प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना की ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में 37 बालक और 21 बालिकाओं का जिलास्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया है। व्यायाम शिक्षक चक्रधर प्रसाद भट्टी ने बताया कि 14 से 23 आयु वर्ग की बालक–बालिकाओं की ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में 14 से 17 बालक आयु वर्ग की बॉक्सिंग प्रतियोगिता में अंकुश नेगी और कृष्णा नेगी, कबड्डी में साजन, प्रिंस, एथलेटिक्स में नितिन और अभिषेक, हॉकी में आदर्श, वंश डबराल, जूडो में सुभाष और शुभम, वॉलीबाल में अंकित मेहर और शिवांश, बैडमिंटन में दिव्यांशु सकलानी, आदर्श उनियाल, टेबल टेनिस में दीपक, फुटबाल में ऑर्थन रावत, कराटे में सुमन बिष्ट का चयन किया गया है। बालिका वर्ग की बैडमिंटन में जिया और दिव्यांशी, कराटे में सोनम चौहान व प्रतिष्ठा उनियाल, जूडो में शिवानी व पारुल, कबड्डी में अंशिका व अक्षरा, बॉक्सिंग में संस्कृति चौहान व मीनाक्षी, बास्केटबॉल में शाहिना, हॉकी में प्रिया, ताइक्वांडो में कसक, टेबल टेनिस में आकृति, वॉलीबाल में दिया चुनी गई।

सभी वाहनों के लिए 41 घंटे बाद खुला सिमली-अल्मोड़ा नेशनल हाईवे

चमोली। आमसौड़ में बंद हुआ सिमली–अल्मोड़ा हाईवे शुक्रवार शाम को सभी वाहनों के लिए खुल गया है। 41 घंटे बाद रास्ता खुलने से स्थानीय लोगों व पर्यटकों को राहत मिली। बीआरओ ने शुक्रवार शाम करीब पांच बजे मलबे को साफ कर वाहनों की आवाजाही सुचारू कराई।

बता दें कि बीते बुधवार देर रात पहाड़ी से भारी मात्रा में बोल्डर और मलबा आने से रास्ता बंद हो गया था। हाईवे के बंद होने से पिंडर घाटी में दूध, सब्जी आदि आवश्यक सामान की आपूर्ति हो बंद हो गई थी।

संक्षिप्त समाचार

सीएम उदीयमान खिलाड़ी की जिला स्तरीय ट्रायल तिथि घोषित

नई टिहरी। मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी योजना और मुख्यमंत्री खेल प्रोत्साहन कार्यक्रम में 8 से 14 वर्ष की आयु वर्ग के खिलाड़ियों के चयन के लिए नई ट्रायल तिथि घोषित कर दी गई है।यह जानकारी देते हुए जिला क्रीड़ाधिकारी दीपक रावत ने बताया कि सीडीओ वरुणा अग्रवाल के निर्देश पर इस वर्ग के ट्रायल की नई तिथि 11 से 14 अगस्त 2026 निर्धारित कर दी गई है। यह ट्रायल बौराड़ी स्टेडियम में लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक आयु वर्ग में 25 बालक और 25 बालिकाओं का चयन किया जाएगा।

चयनित खिलाड़ी को 15 सौ रुपये प्रतिमाह छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। क्रीड़ाधिकारी ने बताया कि इस तरह मुख्यमंत्री खेल प्रोत्साहन योजना के तहत 14 से 23 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ियों का जिला स्तरीय चयन ट्रायल 17 से 21 अगस्त 2026 तक पूर्णानंद स्टेडियम मुनिकीरेती में लिए जाएगा। मुख्यमंत्री प्रोत्साहन कार्यक्रम के तहत प्रत्येक आयु वर्ग में 25 बालक और 25 बालिकाओं का चयन किया जाएगा। चयनित 200 खिलाड़ियों को 2000 प्रतिमाह प्रति खिलाड़ी की दर से छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

चयन प्रक्रिया में 157 खिलाड़ी हुए शामिल

गोपेश्वर। मुख्यमंत्री खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना के तहत चमोली जिले में खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया शुरू हो गई है, जिसमें शुक्रवार को दशोली विकासखंड के 157 (103 बालक और 54 बालिकाएं) बालक–बालिकाओं ने प्रतिभाग किया। इस योजना के तहत 14 से 23 आयु वर्ग के कुल 200 (100 बालक व 100 बालिकाएं) खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा जिन्हें शारीरिक दक्षता और खेल कौशल के आधार पर दो हजार रुपये प्रतिमाह छात्रवृत्ति दी जाएगी। प्रभारी जिला क्रीड़ाधिकारी मोहित सिंह ने बताया कि आठ और नौ अगस्त को गोपेश्वर, ज्योतिर्मठ, कर्णप्रयाग और गौचर नगर पालिका के खिलाड़ियों की परीक्षा होगी। चयन प्रक्रिया के दौरान विभिन्न निर्णायक, खेल विभाग के कर्मचारी, शारीरिक प्रशिक्षक और अभिभावक मौजूद रहे।

गजेंद्र बिष्ट पीटीए और राजेंद्र रावत एसएमसी अध्यक्ष बने

कर्णप्रयाग। विकासखंड के राजकीय इंटर कॉलेज कोट–कंडारा में अभिभावक संघ की खुली बैठक हुई। इस दौरान गजेंद्र बिष्ट को अभिभावक संघ का अध्यक्ष और राजेंद्र रावत को एसएमसी का अध्यक्ष चुना गया। बैठक में विद्यालय के शैक्षिक विकास, अनुशासन और मूलभूत सुविधाओं पर चर्चा की गई। इस दौरान अभिभावक संघ की नई कार्यकारिणी का गठन हुआ। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने विद्यालय को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य, समस्त स्टाफ और पूर्व जिला पंचायत सदस्य लक्ष्मण सिंह, प्रधान शिवपाल सिंह कठैत, मनोज रावत, सतेंद्र सिंह, महावीर सिंह आदि उपस्थित थे।

नवप्रवेशी छात्रों का परिचय कार्यक्रम आयोजित

कर्णप्रयाग। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में नवप्रवेशी छात्र–छात्राओं के लिए एक दिवसीय परिचय कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्र–छात्राओं को महाविद्यालयी की सुविधाओं की जानकारियां दी गईं। प्राचार्य प्रो. आरए सिंह छात्रों से शैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के नोडल अधिकारी डॉ. किरण कुमार पंत, डॉ. आरसी भट्ट, डॉ. कीर्तिराम डंगवाल, डॉ. कविता पाठक आदि ने बहुविषयक शिक्षा, क्रेडिट प्रणाली और कौशल विकास पर प्रकाश डाला।

काश्तकारों ने खरीदे 1500 से अधिक फलदार पौध

आदिबदरी। काश्तकारों की रुचि फलदार पौध लगाने में बढ़ रही है। इसके तहत काश्तकार उद्यान विभाग और महिला समूह से कुल 1500 से अधिक पौधे खरीद चुके हैं।पिछले कुछ वर्षों से जलवायु परिवर्तन और बंदर–लंगूरों के कारण फलोत्पादन में भारी गिरावट आई है। आदिबदरी सचल दल केंद्र के उद्यान पर्यवेक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि केंद्र में आए 1050 पौधों में से 1000 से अधिक काश्तकार ले जा चुके हैं। काश्तकार अभी तक पौधे लेने पहुंच रहे हैं। कुछ काश्तकार सुरक्षा जालों का उपयोग भी कर रहे हैं जिससे उन्हें लाभ मिल रहा है।

आदिबदरी महिला समूह से भी 500 कागजी नींबू, आम और लीची के पौधे ले जाए चुके हैं। समूह से जुड़ी शकुंतला बरमोला ने कहा कि बंदर–लंगूरों से बचाव होने पर फलोत्पादन आय का अच्छा स्रोत बन सकता है।

अल्मोड़ा में साइबर ठगी का भंडाफोड़

अल्मोड़ा जनपद में साइबर ठगी का एक बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक बैंक खाते से मात्र दो दिनों के भीतर एक करोड़ रुपये से अधिक का संदिग्ध लेन–देन किया गया है। साइबर सेल की जांच के बाद धारानौला चौकी प्रभारी की तहरीर पर कोतवाली अल्मोड़ा में आरोपी के खिलाफ संगीन धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। धारानौला चौकी प्रभारी आनंद बल्लभ कश्मीरा ने साइबर सेल से प्राप्त एक संदिग्ध म्यूल खाते की गहन जांच की। जांच में पता चला कि अल्मोड़ा स्थित एक बैंक शाखा का यह खाता संख्या 4104608263 हरीश सिंह बिष्ट निवासी कुमालेश्वर, देघाट, हाल निवासी डायमंड फिटनेस क्लब, दुगालखोला, अल्मोड़ा के नाम पर जून 2026 में खोला गया था। जब पुलिस ने इस खाते की स्टेटमेंट खंगाली तो अधिकारी भी दंग रह गए। खाते में महज दो दिनों के भीतर (16 और 17 जुलाई) को एक करोड़ रुपये से अधिक का बड़ा लेन–देन हुआ था, जबकि वर्तमान में क्लोजिंग बैलेंस केवल 2,78,184 रुपये बचा है। इन संदिग्ध ट्रांजैक्शनों के दौरान देश के अलग–अलग राज्यों से इस खाते के खिलाफ राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर 16 शिकायतें दर्ज कराई जा चुकी हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

खाताधारक नहीं दे पाया जवाब

पुलिस ने जब खाताधारक हरीश सिंह बिष्ट से इस करोड़ों के लेन–देन के बारे में पूछताछ की तो वह कोई भी संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। बैंक अभिलेखों, डिजिटल तथ्यों और देश भर से मिली शिकायतों की जांच में प्रथम दृष्टया यह साफ हो गया है कि इस खाते का इस्तेमाल सुनियोजित आपराधिक षड्यंत्र और धोखाधड़ी के तहत साइबर ठगी की रकम को छिपाने और ट्रांसफर करने के लिए किया गया है।

बौराड़ी बस अड्डे में खोखे तोड़ने पर जताया विरोध

नई टिहरी। बौराड़ी बस अड्डे में पुनर्वास विभाग की ओर से आवंटित जगहों पर खोखे तोड़े जाने का खोखा धारकों ने विरोध किया है। उन्होंने जिलाधिकारी को सौंपे ज्ञापन में प्रभावित सभी खोखा धारकों को क्षतिपूर्ति और उसी स्थान पर पक्की दुकानें देने की मांग उठाई है। बौराड़ी बस अड्डे का इन दिनों एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के वित्तीय सहयोग से सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। बस अड्डे में 32 खोखा धारकों को पूर्व में पुनर्वास विभाग ने जगह उपलब्ध करवाई थी। कार्य के चलते गत 5 अगस्त को एडीबी और पर्यटन विभाग की टीम ने जेसीबी से 10 खोखो को तोड़ दिया था। शुक्रवार को कांग्रेस शहर अध्यक्ष कुलदीप पंवार के नेतृत्व में खोखा धारक डीएम से मिले। उन्होंने कहा कि वह विगत 35 सालों से नई टिहरी शहर में कच्ची दुकानों के सहारे रोजगार कर अपने परिवार की आजीविका चला रहे हैं। बिना नोटिस के एडीबी और पर्यटन विभाग ने कई लोगों के खोखे तोड़ दिए जिससे उसके सामने रोजी–रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

टिहरी विधायक उपाध्याय ने सत्याग्रह को दिया समर्थन

नई टिहरी। मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग को लेकर जन जागरण सत्याग्रह धरना छठवें दिन भी जारी रहा। टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने धरना स्थल जाकर कर सत्याग्रह कर रहे लोगों को समर्थन दिया।

श्रीदेव सुमन पार्क नई टिहरी में जन जागरण सत्याग्रह धरने पर बैठे पूर्व जिला पंचायत सदस्य जीतराम भट्ट ने विधायक से जिला अस्पताल को मेडिकल कॉलेज का बेस अस्पताल बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि इणिया में मेडिकल कॉलेज का निर्माण होता है तो जिला अस्पताल को मेडिकल कॉलेज का बेस अस्पताल बनाया जाए।

विधायक ने कहा कि पहली प्राथमिक मेडिकल कॉलेज निर्माण की स्वीकृति है। धरने बैठे लोगों ने इस संबंध में विधायक को ज्ञापन भी सौंपा। पूर्व जिला पंचायत सदस्य भट्ट ने ने मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति तक सत्याग्रह जारी रखने को कहा। इधर टिहरी मेडिकल कॉलेज निर्माण संघर्ष समिति के लोगों ने बौराड़ी स्थित मस्जिद में बैठक मुस्लिम समुदाय से समर्थन मांगा।

समिति के संयोजक डॉ राकेश भूषण गोदियाल और सह संयोजक भगवान सिंह रावत ने कहा कि नई टिहरी बांध विस्थापित शहर होने के बाद भी यहां पर स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव है। सुविधाओं के अभाव में लोग पलायन कर रहे हैं। लोगों को यहीं पर अच्छी स्वास्थ्य और उच्च शिक्षा की सुविधा मिलेगी तो पलायन पर रोक लगेंगी।

भूगोल भूला शासन, 217 किमी दूर दो ब्लॉकों की जिम्मेदारी एक अधिकारी पर

ऋषिकेश। उत्तराखंड शासन का एक आदेश इन दिनों शिक्षा विभाग में चर्चा का विषय बना हुआ है। थलीसैंण के खंड शिक्षा अधिकारी को 217 किलोमीटर दूर डोईवाला का अतिरिक्त प्रभार सौंपते हुए सप्ताह में तीन–तीन दिन दोनों कार्यालयों में बैठने के निर्देश दिए गए हैं। कागजों पर संतुलित दिखने वाला यह आदेश जमीनी हकीकत में ऐसा नजर आता है जिसमें अधिकारी का समय कार्यालय से ज्यादा सड़कों पर बीतेगा। इससे स्पष्ट होता है कि शासन में बैठे अधिकारियों को राज्य की भौगोलिक स्थितियों का कितना ज्ञान है। आदेश के अनुसार खंड शिक्षाधिकारी विवेक पंवार को सोमवार, मंगलवार और बुधवार को पौड़ी जनपद के थलीसैंण और बृहस्पतिवार, शुक्रवार और शनिवार को देहरादून जनपद के डोईवाला कार्यालय में बैठना होगा। जबकि दोनों कार्यालयों के बीच करीब 217 किलोमीटर की दूरी है और एक तरफ का सफर भी करीब छह घंटे से अधिक का है। ऐसे में बृहस्पतिवार को डोईवाला पहुंचने के लिए उन्हें बुधवार को ही रवाना होना पड़ेगा और शनिवार को लौटना होगा या फिर रविवार की छुट्टी यात्रा में बितानी पड़ेगी। यानी सप्ताह में वह प्रभावी रूप से सिर्फ दो दिन थलीसैंण और दो दिन डोईवाला में ही सेवाएं दे पाएंगे जबकि दो दिन लंबी यात्रा में गुजरेंगे। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि जब अधिकारी का अधिक समय कार्यालय के बजाय सड़क पर बीतेगा। इतनी लंबी दूरी सप्ताह में दो बार तय करना केवल समय की बरबादी ही नहीं, बल्कि शारीरिक और मानसिक थकान का कारण भी बनेगा।

पहाड़ के युवा का कमाल: अल्मोड़ा के रवि ने बनाया उड़ने वाला इलेक्ट्रिकल वाहन

अल्मोड़ा। पहाड़ के एक युवा ने तकनीक की दुनिया में नई पहल की है। अल्मोड़ा निवासी इनोवेटर रवि टम्टा ने हवा में उड़ने वाले इलेक्ट्रिक वाहन का प्रोटोटाइप तैयार किया है। यह वाहन बैटरी से संचालित होता है और हवा में उड़ान भरने में सक्षम है। रवि टम्टा के अनुसार उन्होंने अल्मोड़ा के आर्मी हेलीपैड में इसका सफल परीक्षण किया है। परीक्षण के दौरान वाहन के हवा में उड़ने का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। रवि की इस उपलब्धि को लेकर स्थानीय लोगों में भी उत्सुकता है। उनका कहना है कि आने वाले समय में यह तकनीक पहाड़ी क्षेत्रों के लिए उपयोगी साबित हो सकती है।

धौलादेवी विकासखंड के काफलीखान निवासी रवि टम्टा ने अपने बनाए हपिडा स्काईनेक्स फ्लाइंग व्हीकल प्रोटोटाइप के सफल परीक्षण का दावा किया है। कई वर्षों के शोध, डिजाइन और तकनीकी परीक्षण के बाद तैयार किए गए इस प्रोटोटाइप ने हवा में उड़ान भरी। रवि

टम्टा ने बताया कि इस परियोजना पर वह लंबे समय से काम कर रहे थे। उनका उद्देश्य ऐसा व्यक्तिगत हवाई वाहन तैयार करना है, जो पूरी तरह इलेक्ट्रिक हो और भविष्य में लोगों के लिए हवाई यात्रा का एक नया विकल्प बन सके। रवि के अनुसार हपिडा स्काईनेक्स का परीक्षण परियोजना के लिए बड़ी उपलब्धि है।

हालांकि अभी इस तकनीक को पूरी तरह तैयार होने में कई चरणों से गुजरना होगा। आने वाले समय में वाहन की सुरक्षा, क्षमता, स्थिरता और प्रदर्शन को लेकर और परीक्षण किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि भविष्य में इस तरह के वाहन शहरों में बढ़ते यातायात के दबाव को कम करने में मददगार हो सकते हैं। इसके अलावा पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों में आपात स्थिति के दौरान लोगों तक पहुंचने में भी इनका उपयोग किया जा सकता है। रवि टम्टा इससे पहले भी कई तरह के तकनीकी नवाचार कर चुके हैं। उन्होंने वन विभाग के लिए अग्निशमन यंत्र और दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए विशेष छड़ी सहित कई उपयोगी उपकरण तैयार किए हैं। रवि का कहना है कि उनका लक्ष्य भारत में व्यक्तिगत हवाई परिवहन की तकनीक को विकसित करना और इसे सुरक्षित एवं व्यावहारिक बनाना है। सफल परीक्षण के बाद अब परियोजना को अगले चरण में ले जाने की तैयारी की जा रही है।

2.09 किलोग्राम चरस के साथ बरेली के दो तस्कर गिरफ्तार

बागेश्वर । बागेश्वर जिले के कपकोट थाना पुलिस और एसओजी की टीम ने 2.092 किलोग्राम चरस के साथ बरेली के दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर की गई है।एसपी जितेंद्र मेहरा ने बताया कि मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए संयुक्त टीम शामा बैंड तिराहे पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान मुनार रोड की तरफ से आ रही एक स्कूटी संख्या यूके 01 टीए 4544 को रोका तो उसमें सवार युवक सकपका गए। शक होने पर वाहन और युवकों की तलाशी ली गई। स्कूटी की डिक्की की तलाशी में एक बैग के भीतर से चरस

बरामद की गई। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम राहुल वर्मा और रोहित सिंह निवासी जिला बरेली, उत्तर प्रदेश बताया। उन्होंने खुलासा किया कि वह सूपी गांव से चरस खरीदकर लाए थे। वे इस माल को बरेली ले जाकर ऊंचे दामों में बेचने की फिराक में थे। पुलिस ने परिवहन में प्रयुक्त स्कूटी को भी सीज कर लिया है। उन्होंने बताया कि चरस के गांव में चरस कहां से लाई जा रही है, पुलिस इसका भी पता लगाने में जुट गई है।

मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना के ट्रायल अब 17 से

ऋषिकेश। मुख्यमंत्री प्रोत्साहन कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद के खिलाड़ियों के चयन के लिए प्रस्तावित जिला स्तरीय ट्रायल की तिथियों में बदलाव किया गया है। पहले यह ट्रायल पूर्णानंद स्टेडियम, मुनि की रेती में 10 से 13 अगस्त तक होने थे जिन्हें अब 17 से 21 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा।

जिला क्रीड़ा अधिकारी टिहरी दीपक रावत ने बताया कि योजना के तहत 14–17, 17–19, 19–21 और 21–23 वर्ष आयु वर्ग के बालक एवं बालिकाओं का चयन किया जाएगा। प्रत्येक आयु वर्ग में 25 बालक और 25 बालिकाओं का चयन होगा। इस प्रकार कुल 200 खिलाड़ियों को योजना का लाभ मिलेगा। चयनित खिलाड़ियों को दो हजार रुपये प्रतिमाह छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। इसके अलावा प्रत्येक खिलाड़ी को 10 हजार रुपये मूल्य के खेल उपकरण भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

बोट तक पहुंचने वाले रास्ते में उगी घनी झाड़ियां

कंडीसौड़ (टिहरी)। थौलधार ब्लॉक मुख्यालय और चिन्यालीसौड़ ब्लॉक के दिचली–गमरी पट्टी के दर्जनों गांवों के आवागमन के लिए टिहरी बांध की झील में बोट सेवा तो बहाल कर दी गई है लेकिन पैदल रास्ते में चार माह में उगी झाड़ियों की सफाई नहीं होने से लोगों को सांप– बिच्छू और जंगली जानवरों का भय बना रहता है। छाम–बैल्डोगी झूला पुल के बदले नया पुल नहीं बनने के कारण कंडीसौड़ और दिचली–गमरी पट्टी के दर्जनों गांवों के आवागमन के टिहरी बांध की झील में बोट सेवा लगाई गई है। झील का जलस्तर घटने पर बोट सेवा अप्रैल से जुलाई तक बंद रहती है। इस दौरान कंडीसौड़ से झील में बोट तक पहुंचने का रास्ता भी वीरान हो जाता है जिससे रास्ते के दोनों ओर खूब झाड़ियां उग जाती है। जलस्तर बढ़ने पर झील में एक अगस्त से बोट सेवा तो शुरू कर दी गई है लेकिन करीब एक किमी लंबे रास्ते से झाड़ियां नहीं काटी गई है। इससे आवागमन में दिक्कत हो रही है। कंडी के प्रधान सुमन सिंह गुसाईं, जिला पंचायत सदस्य सुनील जुयाल, प्रधान सुमेरी बिष्ट, आशा राणा, मधुबाला खंडूड़ी ने पुनर्वास निदेशालय से रास्ते में उगी झाड़ियों की सफाई कर आवागमन सुगम बनाने की मांग की है। विजयपाल सिंह बिष्ट और वासुदेव खंडूड़ी ने झील में डूबे छाम–बैल्डोगी झूला पुल के बदले नया पुल बनाने की मांग की है।

शमशान घाट की जमीन पर्यटन विभाग को देने पर जताई चिंता

ऋषिकेश। शिवपुरी में जिला पंचायत सदस्य हुकुम सिंह भंडारी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने बैठक कर 44 गांवों के पैतृक श्मशान घाट की भूमि पर्यटन विभाग को आवंटित किए जाने का विरोध किया। ग्रामीणों ने कहा कि जिला प्रशासन टिहरी गढ़वाल की ओर से भट्टीखाले तोक स्थित खसरा नंबर 137, खाता संख्या 07 की करीब छह नाली भूमि पर्यटन विभाग को दिए जाने से घाट तक जाने का रास्ता बंद होने की आशंका है जिससे शवदाह में परेशानी होगी। बैठक के बाद ग्रामीणों ने एसडीएम नरेंद्रनगर को ज्ञापन भेजकर भूमि को श्मशान घाट के नाम दर्ज करने की मांग की। हुकुम सिंह भंडारी ने बताया कि उक्त पैतृक घाट का उपयोग 44 गांवों के लोग करते हैं और जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल ने 14 फरवरी 2025 को यह भूमि पर्यटन विभाग को आवंटित की थी। उन्होंने कहा कि सहमति बनी थी कि राष्ट्रीय राजमार्ग से गंगा नदी तक 20 से 30 मीटर रास्ता और घाट निर्माण के बाद ही भूमि पर्यटन विभाग को दी जाएगी, साथ ही इसे राजस्व अभिलेखों में पैतृक घाट के रूप में दर्ज किया जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि अब तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है।

उन्होंने राजस्व विभाग से घाट को रिकॉर्ड में दर्ज कर सुरक्षित करने की मांग की है। बैठक में दयाल सिंह भंडारी, सुरेंद्र भंडारी, शोभन भंडारी, कमल सिंह भंडारी, संदीप भंडारी, सोनी रावत, बबीता देवी, रिंकी पुंडीर होशियार सिंह आदि उपस्थित रहे।

वीरभद्र कांवड़ लेकर पहुंचे भायुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या

ऋषिकेश। भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या शुक्रवार को सैकड़ों युवा कार्यकर्ताओं के साथ हरिद्वार से कांवड़ लेकर वीरभद्र मंदिर पहुंचे। उन्होंने हरिद्वार के हरकी पैड़ी पर पूजा–अर्चना कर देश और प्रदेश की सुख–समृद्धि की कामना की। इसके बाद युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं के साथ गंगाजल लेकर कांवड़ यात्रा शुरू की जो वीरभद्र में संपन्न हुई। तेजस्वी सूर्या ने कहा कि कांवड़ यात्रा भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और अटूट आस्था का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा में युवाओं की बड़ी भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक मूल्यों से गहराई से जुड़ी हुई है। कहा, कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक आयोजन नही बल्कि सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता का भी संदेश देती है।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

संन्यास के बाद रहाणे की नई शुरुआत, यूरोपीय टी-20 लीग में बने मार्की प्लेयर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के कुछ ही दिनों बाद अपने भविष्य को लेकर तस्वीर साफ कर दी है। 14 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कहने वाले रहाणे ने कहा कि उन्हें अपने फैसले को लेकर कोई पछतावा नहीं है। उनका कहना है कि उन्होंने खिलाड़ी के तौर पर अपना 200 प्रतिशत दिया और अब वह दुनिया भर की टी20 लीग में खेलते हुए अपना अनुभव साझा करना चाहते हैं। साथ ही, भविष्य में कोच और मेंटर की भूमिका निभाने को लेकर भी वह उत्साहित हैं।रहाणे को यूरोप की पहली आईसीसी-सैंक्शन प्राप्त टी20 लीग यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) के उद्घाटन सत्र के लिए एम्सटर्डम फ्लेम्स का मार्की प्लेयर बनाया गया है। लीग का पहला सत्र 26 अगस्त से 20 सितंबर तक खेला जाएगा, जिसमें छह शहर आधारित फ्रेंचाइजी 33 मुकाबलों में हिस्सा लेंगी। रहाणे ने 30 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की थी। अब वह नई भूमिका में यूरोपीय क्रिकेट के विकास का हिस्सा बनेंगे। उन्होंने कहा कि यूरोप क्रिकेट के लिए एक रोमांचक नए दौर में प्रवेश कर रहा है और वह इस क्षेत्र में खेल के विकास में योगदान देना चाहते हैं। एम्सटर्डम फ्लेम्स के सह-संस्थापक और मुख्य क्रिकेट अधिकारी तथा ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ ने रहाणे का स्वागत करते हुए उनके कौशल, धैर्य, विनम्रता और नेतृत्व क्षमता की तारीफ की। उन्होंने कहा कि रहाणे का अनुभव और व्यक्तित्व टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा।

'मुझे कोई पछतावा नहीं'

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के फैसले पर रहाणे ने कहा कि उन्होंने करीब एक महीने तक इस फैसले पर विचार किया था। उन्होंने खुद से बार-बार सवाल किया कि क्या उन्हें किसी चीज का पछतावा है या कुछ अलग करना चाहते थे, लेकिन उन्हें इसका जवाब हमेशा नहीं मिला।रहाणे ने कहा, 'मैं अपने फैसले से बहुत खुश हूं। मैंने अपने नियंत्रण में जो कुछ था, उससे भी ज्यादा किया और हर बार अपना 200 प्रतिशत दिया।' उन्होंने कहा कि करियर के अंत में यह महसूस होना कि उन्होंने अपना सब कुछ दे दिया, उनके लिए सबसे अच्छी भावना है।

कोच -मेंटर बनने में भी दिलचस्पी

रहाणे ने भविष्य में कोचिंग और मेंटरशिप की संभावना से भी इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी के तौर पर अलग-अलग परिस्थितियों से गुजरने के कारण वह खिलाड़ियों की मानसिकता को अच्छी तरह समझते हैं।उन्होंने कहा कि फिलहाल उनकी प्राथमिकता क्रिकेट खेलना और दुनिया भर की लीग में अपना अनुभव साझा करना है, लेकिन उन्हें लगता है कि वह आगे चलकर एक अच्छे कोच और मेंटर साबित हो सकते हैं। उनके मुताबिक खिलाड़ियों का प्रबंधन, कोचिंग और मेंटरशिप उनके अनुभव का स्वाभाविक विस्तार होगा।

संक्षिप्त समाचार

मोहम्मद अशफाक ने नेशनल रिकॉर्ड तोड़कर बनाई फाइनल में जगह

यूजीन। भारत के मोहम्मद अशफाक ने वर्ल्ड एथलेटिक्स अंडर 20 चैंपियनशिप 2026 में पुरुषों की 400 मीटर दौड़ के फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-20 का नेशनल रिकॉर्ड भी ध्वस्त किया। 19 साल के अशफाक ने हीट 5 में 45.81 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई किया। उन्होंने अप्रैल में बेंगलुरु में हुई अंडर 20 फेडरेशन कप में बनाए अपने ही 46.05 सेकंड के रिकॉर्ड को तोड़ा।

सेमीफाइनल हीट 3 में, अशफाक ने 46.00 सेकंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया और फाइनल में जगह बनाई। अशफाक के साथी खिलाड़ी पीयूष राज हीट 6 में 47.78 सेकंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहे और फाइनल राउंड में जगह बनाने से चूक गए। पुरुषों की हाई जंप में, बसंत ने 2.14 मीटर की जंप के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई किया और क्वालिफिकेशन ग्रुप ए में पांचवें स्थान पर रहे। के. अम्ब्रीश 2.05 मीटर की अपनी सर्वश्रेष्ठ जंप के साथ क्वालिफिकेशन ग्रुप बी में 12वें स्थान पर रहे और क्वालिफाई नहीं कर पाए। गौरतलब है कि किसी भी ग्रुप का कोई भी एथलीट 2.21 मीटर का ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन मार्क पार नहीं कर पाया। महिलाओं की शॉट पुट स्पर्धा में, अंशु फाइनल में जगह बनाने से चूक गईं। उन्होंने 15.24 मीटर की सर्वश्रेष्ठ थ्रो की, जो फाइनल क्वालिफिकेशन कटऑफ से 21 सेंटीमीटर कम थी। इस तरह वह ग्रुप ए में 9वें और क्वालिफिकेशन राउंड में कुल मिलाकर 14वें स्थान पर रहीं। भारत की तनु चौधरी को महिलाओं की 400 मीटर हर्डल्स हीट में निराशा हाथ लगी। वह 1:00.03 के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहीं और सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाईं। पुरुषों की 400 मीटर हर्डल्स में, अमित कुमार हीट में 54.01 सेकंड के समय के साथ सबसे पीछे रहे। पुरुषों की ट्रिपल जंप क्वालिफिकेशन में, धनुष राज और पी. रॉयशन फाइनल में जगह नहीं बना पाए। उन्होंने क्रमशः 14.71 मीटर और 15.20 मीटर की सर्वश्रेष्ठ दूरी तय की। इस बीच, अमानत कंबोज ने महिलाओं के डिस्कस थ्रो फाइनल में 53.24 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए छठा स्थान हासिल किया।

सालाह दो साल के कॉन्ट्रैक्ट पर इस टीम से जुड़े; लिवरपूल से छूटा था नौ साल का साथ

इस्तांबुल। मिस्र के कप्तान मोहम्मद सालाह 'लिवरपूल' छोड़ने के बाद दो साल के कॉन्ट्रैक्ट पर 'ट्रैबजोनस्पोर' से जुड़ गए हैं। सालाह ने लिवरपूल के साथ शानदार नौ साल बिताए थे, जिसके बाद उन्होंने तुर्किये सुपर लीग क्लब के साथ 'फ्री ट्रांसफर' के जरिए जुड़ने का फैसला किया है। यह कदम सालाह और लिवरपूल के बीच आपसी सहमति से कॉन्ट्रैक्ट को एक साल पहले खत्म करने के फैसले के बाद उठाया गया है, जिससे 2025-26 सीजन के बाद एनफील्ड में उनका कार्यकाल समाप्त हो गया। सालाह के जाने से लिवरपूल के आधुनिक इतिहास के सबसे सफल अध्यायों में से एक का समापन हुआ है। सालाह साल 2017 की गर्मियों में इटैलियन क्लब एएस रोमा से यहां आए थे, जिसके बाद इस मिस्र के खिलाड़ी ने क्लब के अब तक के सबसे महान खिलाड़ियों में अपनी जगह बनाते हुए लिवरपूल की घरेलू और यूरोपीय सफलता में अहम भूमिका निभाई। एनफील्ड में सालाह ने लिवरपूल को दो प्रीमियर लीग खिताब, यूईएफए चैंपियंस लीग, फीफा क्लब वर्ल्ड कप, यूईएफए सुपर कप, एफए कप, दो लीग कप और एफए कम्युनिटी शील्ड जीतने में मदद की। इस फॉरवर्ड खिलाड़ी ने मर्सीसाइड क्लब के लिए 435 मुकाबलों में 255 गोल दागे और लिवरपूल की अब तक की सर्वाधिक गोल करने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर रहे। उन्होंने चार बार प्रीमियर लीग 'गोल्डन बूट' भी जीता। लिवरपूल में सालाह का आखिरी सीजन चुनौतीपूर्ण रहा; उन्हें नियमित रूप से खेलने का समय नहीं मिल रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तत्कालीन हेड कोच अर्ने स्लॉट के साथ सालाह के संबंध खराब हो गए थे, जिसके बाद दोनों पक्षों ने उनके कॉन्ट्रैक्ट को समय से पहले खत्म करने पर सहमति जताई।

संन्यास के बाद भी बरकरार सचिन का जलवा, भारत के शीर्ष-पांच सेलिब्रिटी ब्रांड्स में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट से संन्यास लिए एक दशक से अधिक समय बीत जाने के बावजूद सचिन तेंदुलकर की लोकप्रियता और ब्रांड वैल्यू में कोई कमी नहीं आई है। क्रोल इंडिया सेलिब्रिटी ब्रांड वैल्यूएशन 2025 रिपोर्ट के अनुसार, सचिन 125.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर की ब्रांड वैल्यू के साथ भारत के शीर्ष पांच सेलिब्रिटी ब्रांड्स में अपनी जगह बनाए हुए हैं। वह देश के इकलौते रिटायर्ड खिलाड़ी हैं, जो लगातार भारत के शीर्ष-10 सेलिब्रिटी ब्रांड्स में शामिल हैं।

ब्रांड्स की पहली पसंद बने हुए हैं सचिन

रिपोर्ट के मुताबिक, सचिन तेंदुलकर की विश्वसनीय छवि, ईमानदारी और वर्षों से बनी प्रतिष्ठा उन्हें आज भी विभिन्न क्षेत्रों के बड़े ब्रांड्स के लिए आकर्षक चेहरा बनाए हुए है। यही वजह है कि रिटायरमेंट के बाद भी उनकी ब्रांड वैल्यू लगातार बढ़ रही है और कंपनियां उन्हें अपने साथ जोड़ना चाहती हैं।

क्रिकेट में बनाए कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड

सचिन तेंदुलकर को क्रिकेट इतिहास के सबसे महान बल्लेबाजों में गिना जाता है। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 34,357 रन दर्ज हैं। टेस्ट और वनडे दोनों प्रारूपों में सबसे अधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड भी उन्हीं के नाम है। दिलचस्प बात यह है कि वनडे क्रिकेट में उनका पहला शतक 79वें मैच में आया था, लेकिन इसके बाद उन्होंने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी।

कायम हैं कई बड़े कीर्तिमान

मास्टर ब्लास्टर के नाम सबसे ज्यादा 200 टेस्ट मैच खेलने का रिकॉर्ड है। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 15921 रन, 51 शतक और 2058 चौके लगाए। वह सिर्फ 300 पारियों में 15000 टेस्ट रन पूरे करने वाले सबसे तेज बल्लेबाज भी हैं।वनडे क्रिकेट में सचिन का करियर 22 साल 91 दिन तक चला, जो इस प्रारूप के सबसे लंबे करियर में से एक है। वर्ष 1998 में उन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में 1,894 रन और नौ शतक लगाए, जो आज भी रिकॉर्ड है। इसके अलावा उनके नाम वनडे में सबसे ज्यादा 145 अर्धशतक, 2,016 चौके और सिर्फ 440 पारियों में सबसे तेज 18,000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड भी दर्ज है। मैदान पर अपने शानदार प्रदर्शन की तरह ही सचिन तेंदुलकर का ब्रांड प्रभाव भी आज तक कायम है।

वार्म-अप मैच से पहले बड़ा झटका, शुभमन चोटिल

पहले दिन नहीं करेंगे फील्डिंग, राहुल संभाल रहे कप्तानी

कोलंबो। भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल श्रीलंका दौरे पर जाते ही चोटिल हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने जानकारी दी कि गुरुवार को अभ्यास सत्र के दौरान गिल के दाएं हाथ की रिंग फिंगर में इम्पैक्ट इंजरी हुई है। एहतियात के तौर पर उन्हें श्रीलंका इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय वार्म-अप मैच के पहले दिन फील्डिंग से बाहर रखा गया है।

बीसीसीआई ने दिया अपडेट

बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा, 'कप्तान शुभमन गिल को गुरुवार के अभ्यास के दौरान दाएं हाथ की रिंग फिंगर में चोट लगी। सावधानी के तौर पर वह वार्म-अप मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।' बोर्ड ने यह भी बताया कि गिल की गैरमौजूदगी में अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल टीम की कप्तानी करेंगे।

कोलंबो में खेला जा रहा अभ्यास मैच

कोलंबो के नॉनडिस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब ग्राउंड में खेले जा रहे तीन दिवसीय अभ्यास मैच में श्रीलंका इलेवन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। हालांकि, अगर आज भारतीय टीम की बल्लेबाजी आती है तो गिल इसके लिए उपलब्ध रहेंगे या नहीं, इस पर फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

भारत के लिए यह चोट चिंता का विषय हो सकती है, क्योंकि 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होनी है। टीम प्रबंधन उम्मीद करेगा कि कप्तान जल्द पूरी तरह फिट होकर सीरीज के पहले टेस्ट तक उपलब्ध हो जाएं। जसप्रीत बुमराह पहले ही चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो चुके हैं, जबकि साई सुदर्शन को अभी तक फिटनेस क्लीयरेंस नहीं मिला है।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का स्क्वॉड: शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन और आकिब नबी।

चयनकर्ता नॉर्थ ने बताई जो रूट को टेस्ट कप्तान बनाने की वजह

नई दिल्ली। इंग्लैंड के राष्ट्रीय चयनकर्ता मार्कस नॉर्थ ने खुलासा किया है कि बेन स्टोक्स के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद टेस्ट टीम की कप्तानी हैरी ब्रूक को नहीं, बल्कि अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को सौंपने का फैसला क्यों लिया गया। उनका कहना है कि चयन समिति हैरी ब्रूक पर तीनों प्रारूपों की कप्तानी का अतिरिक्त दबाव नहीं डालना चाहती थी।

हैरी ब्रूक पर ज्यादा जिम्मेदारी नहीं डालना चाहता था बोर्ड

35 वर्षीय जो रूट इससे पहले भी इंग्लैंड की टेस्ट टीम की कप्तानी कर चुके हैं, जबकि 27 वर्षीय हैरी ब्रूक फिलहाल वनडे और टी20 टीम के कप्तान हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चयनकर्ताओं का मानना था कि ब्रूक पर तीनों प्रारूपों की कप्तानी का बोझ डालना फिलहाल सही फैसला नहीं होगा। इसी वजह से अनुभवी जो रूट को एक बार फिर टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई।

तीनों फॉर्मेट की कप्तानी किसी भी खिलाड़ी के लिए बड़ी चुनौती

मार्कस नॉर्थ ने गुरुवार को स्थानीय मीडिया से कहा कि हैरी ब्रूक तीनों प्रारूपों में इंग्लैंड के लिए अहम खिलाड़ी हैं और सीमित ओवरों की कप्तानी में लगातार परिपक्वता दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हैरी ब्रूक हमारे लिए तीनों प्रारूपों में शानदार खिलाड़ी रहे हैं। वह टीम का बेहद अहम हिस्सा हैं। उनकी कप्तानी हर सीरीज के साथ बेहतर होती जा रही है। इस गर्मी में हमारी टी20 टीम दुनिया की नंबर-1 टीम बनी, जो उनकी नेतृत्व क्षमता का प्रमाण है।'नॉर्थ ने आगे कहा, 'अगले साल होने वाले विश्व कप को ध्यान में रखते हुए वह ब्रेंडन मैकुलम के साथ सीमित ओवरों की टीम पर पूरा फोकस कर रहे हैं। ऐसे में तीनों प्रारूपों की कप्तानी किसी भी खिलाड़ी के लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है।'

टेस्ट कप्तान बन सकते हैं हैरी ब्रूक

हालांकि, नॉर्थ ने साफ किया कि हैरी ब्रूक को भविष्य की टेस्ट कप्तानी की दौड़ से बाहर नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, 'मुझे पूरा विश्वास है कि हैरी का समय भी आएगा। लेकिन फिलहाल हमारे पास जो रूट जैसा अनुभवी खिलाड़ी है, जो इस भूमिका को बखूबी निभा सकता है। वहीं, हैरी ब्रूक और ब्रेंडन मैकुलम सीमित ओवरों की टीम पर अपना पूरा ध्यान दे सकेंगे।'

पहली बार बने थे टेस्ट कप्तान

जो रूट पहली बार 2017 में इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बने थे। उन्होंने रिकॉर्ड 64 टेस्ट मैचों में टीम की कप्तानी की और 28 मुकाबलों में जीत दिलाई। अप्रैल 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 10 विकेट की हार के बाद उन्होंने कप्तानी छोड़ दी थी। अब बेन स्टोक्स के संन्यास के बाद एक बार फिर उन्हें टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई है।

प्रज्ञानंद ने जीता सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज का खिताब

आखिरी मुकाबला रहा ड्रॉ, फिर भी बने चैंपियन

सेंट लुईस। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने एक राउंड बाकी रहते हुए ही ग्रैंड चेस टूर सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज का खिताब अपने नाम किया। प्रज्ञानंद और उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव के बीच आखिरी मुकाबले का अंत ड्रॉ पर होने के साथ ही भारतीय ग्रैंडमास्टर का खिताब पक्का हो गया। 20 साल के भारतीय खिलाड़ी ने कुल 35 में से 23 पॉइंट हासिल करके चैंपियनशिप को अपने नाम किया। शानदार टूर्नामेंट के बाद सिंदारोव ने 22 पॉइंट के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि वेस्ली सो 20.5 पॉइंट के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

लेवोन अरोनियन 19 पॉइंट के साथ चौथे स्थान पर रहे, और फैबियानो कारुआना, लीनियर डोमिंग्वेज और जॉर्डन वैन फॉरेस्ट 17 पॉइंट के साथ संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रहे। प्रज्ञानंद को बिना किसी प्लेऑफ के सीधे जीत हासिल करने पर 50,000 अमेरिकी डॉलर और 13 ग्रैंड चेस टूर पॉइंट मिले। इस नतीजे से प्रज्ञानानंद सिंकफील्ड कप से पहले ग्रैंड चेस टूर स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। हालांकि फैबियानो अभी भी ओवरऑल ग्रैंड चेस टूर स्टैंडिंग में सबसे आगे हैं।

प्रज्ञानंद ने पांच दिन के इस इवेंट में शुरू से आखिर तक बढ़त बनाए रखी। सिंदारोव ने आखिरी दौर में कड़ी चुनौती पेश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए और 1.5 प्वाइंट के अंतर से उपविजेता रहे। जून में, प्रज्ञानंद प्रतिष्ठित नॉर्वे चेस खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रच चुके हैं।

सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में 31 जुलाई से सात अगस्त तक सेंट लुइस चेस क्लब में दस बेहतरीन ग्रैंडमास्टर शामिल हुए। पांच दिनों के खेल में, खिलाड़ियों ने 9 रैपिड राउंड और 18 ब्लिट्ज राउंड खेले। इस दौरान कुल मिलाकर 135 गेम हुए, जिनमें सिंकफील्ड कप और जीसीटी ग्रैंड फाइनल से पहले महत्वपूर्ण टूर पॉइंट दांव पर थे।

इस टूर्नामेंट में दो तेज गति वाले फॉर्मेट शामिल रहे। नौ-राउंड का सिंगल राउंड-रॉबिन रैपिड टूर्नामेंट (जो 25 मिनट के टाइम कंट्रोल और पहली चाल से ही 10-सेकंड के इंक्रीमेंट के साथ खेला जाता है) और 18-राउंड का डबल राउंड-रॉबिन ब्लिट्ज टूर्नामेंट (जो पांच मिनट के टाइम कंट्रोल और पहली चाल से ही दो-सेकंड के इंक्रीमेंट के साथ खेला जाता है)। रैपिड में जीत पर दो पॉइंट और ड्रॉ पर एक पॉइंट मिलता है, जबकि ब्लिट्ज में जीत पर एक पॉइंट और ड्रॉ पर 0.5 पॉइंट मिलता है।